# Der deutsche Volkswirt

3. Jahrgang — Beilage zu No. 36 — 7. Juni 1929


# DIE BÖRSEN

## BERLINER BÖRSE

### BÖRSENINDEX DES „DEUTSCHEN VOLKSWIRT"

| | Dividendenwerte | | | | Festverzinsliche Werte[2]) | Börsenumsatzsteuer[3]) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Gesamtindex[1]) | Terminpapiere | variable Papiere | Kassapapiere | | |
| | in Prozenten des Nennwertes | | | | | Mill. RM |
| Ende 1913 | 164,1 | 163,0 | — | 164,6 | — | 1,48[4]) |
| „ 1925 | 69,7 | 75,6 | 61,0 | 68,2 | 75,5 | 3,89[4]) |
| „ 1926 | 168,6 | 201,0 | 123,4 | 130,1 | 99,6 | 5,12[4]) |
| 4. Mai 1927 | 203,6 | 232,5 | 164,2 | 167,5 | 100,6 | — |
| Ende „ | 156,9 | 173,2 | 132,8 | 137,7 | 92,4 | 6,94[4]) |
| „ Febr. 1928 | 154,1 | 165,4 | 136,3 | 140,4 | 92,1 | 3,70 |
| „ März „ | 154,1 | 165,5 | 136,2 | 140,6 | 91,6 | 2,84 |
| „ April „ | 160,6 | 175,2 | 145,0 | 139,3 | 91,5 | 3,54 |
| „ Mai „ | 169,5 | 184,0 | 163,6 | 144,7 | 90,9 | 5,49 |
| „ Jan. 1929 | 158,7 | 169,4 | 137,9 | 141,1 | 90,3 | 4,18 |
| „ Febr. „ | 152,7 | 162,1 | 131,0 | 138,1 | 90,3 | 3,10 |
| „ März „ | 156,9 | 167,4 | 136,9 | 139,3 | 89,9 | 2,37 |
| „ April „ | 151,1 | 161,8 | 129,2 | 133,3 | 89,9 | 3,00 |
| „ Mai „ | 150,0 | 161,2 | 128,0 | 130,3 | 87,9 | — |
| 5. Juni „ | 158,5 | 172,5 | 135,5 | 133,0 | 88,3 | — |

[1]) Durchschnittskurs sämtlicher deutscher an der Berliner Börse notierten Aktien unter Berücksichtigung der zum Börsenhandel zugelassenen Kapitalbeträge in Prozenten der Nominalwerte.
[2]) Durchschnittskurs der an der Berliner Börse notierten festverzinslichen Werte zu 8 % und darunter, die auf Gold- oder Reichsmark lauten, unter Berücksichtigung der zum Börsenhandel zugelassenen Kapitalbeträge in Prozenten der Nominalwerte. Ohne Aufwertungsanleihen, Convertible Bonds, Schatzanweisungen und Reichsanleihe von 1927.
[3]) Monatsertrag. — [4]) Jahresdurchschnitt.

Die Einigung in Paris wurde von der Börse mit einer Haussebewegung begrüßt, die die ganze Woche hindurch anhielt. Allerdings beschränkte sich die Nachfrage zumeist auf die größeren Werte. Sie wurde von Auslandskäufen angeregt, denen die deutsche Spekulation folgte. Das breite Publikum hält sich aber im allgemeinen noch zurück, die Größe der Kurssteigerungen darf nicht dazu verleiten, auf besonders hohe Umsätze zu schließen. Nur bei wenigen Werten — hauptsächlich bei Farben — waren die Umsätze wirklich bedeutend, sonst wirkte der Materialmangel mit, so daß schon bescheidene Nachfrage die Kurse in die Höhe trieb. Das Kennzeichen der gegenwärtigen Haussebewegung ist aber, daß nicht nur die bekannten Favoriten, wie Siemens (AEG blieben im Gegensatz zu den Vorwochen hinter Siemens zurück), Kunstseiden- und Kaliwerte die größten Steigerungen hatten. Zum ersten Mal ist auch der Montanmarkt von der Bewegung ergriffen worden, der zeitweise sogar im Mittelpunkt des Börseninteresses stand. Neben den unmittelbaren Wirkungen der Pariser Einigung (neue Auslandsorders) wirkten zur Besserung der Tendenz die Aufwärtsbewegung an allen großen ausländischen Börsen, die Senkung der deutschen Geldsätze und endlich der Rückgang der deutschen Arbeitslosigkeit mit.

| | 31. 12. | 30. 4. | 15. 5. | 28. 5.[1]) | 5. 6.[2]) |
|---|---|---|---|---|---|
| Stahlverein | 92½ | 90 | 90⅜ | 91⅞ | 104¼ |
| Gelsenkirchen | 125 | 126 | 123 | 128⅛ | 139⅞ |
| Harpener | 138 | 130 | 129 | 133⅞ | 148½ |
| Rhein. Braunk. | 285 | 280 | 277 | 283¾ | 308 |
| Siemens | 426 | 371 | 370 | 370½ | 409 |
| AEG. | 195 | 168 | 173 | 188 | 196 |
| I. G. Farben | 267 | 249 | 241 | 240¾ | 264 |
| Glanzstoff | 540 | 435 | 406 | 414 | 464 |
| Salzdetfurth | 529 | 375 | 371 | 386 | 415¾ |
| Reichsbank | 337 | 299 | 298 | 300 | 323 |

[1]) Die tiefsten, [2]) die höchsten Terminkurse des Tages.

In der Reihe der sonstigen Favoriten fehlte diesmal Polyphon, deren Markt verödet lag. BMW hatten sogar im Zusammenhang mit den Schwierigkeiten nicht nur von Krausz, sondern angeblich auch von Castiglioni weitere Kursverluste zu verzeichnen. Lebhaftes Interesse beanspruchte diesmal der Rentenmarkt, wo sich die Spekulation besonders in Aufwertungspapieren betätigte. Unser Börsenindex zeigt eine Steigerung von 150 auf 158,5, die im wesentlichen auf die Kursgewinne der Termin- und variablen Papiere zurückzuführen ist. Das Kursniveau der Renten hat sich wieder auf das Niveau von Mitte Mai gehoben.

In den letzten Tagen ließ die Aufwärtsbewegung etwas nach, infolge von Realisationen der Spekulation konnten insbesondere am Mittwoch die höchsten Kurse nicht gehalten werden. Am Donnerstag verstärkte sich diese rückläufige Bewegung, denn es fehlten neue Anregungen. Nur Bankaktien und Renten blieben fest.

### Kreditbanken

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **197** | **165** | **194** | **175** | **177** | **176** | **185** |
| Adca | 40 | 10 | 10* | 194 | 150 | 135 | 142 | 121 | 124 | 122 | 129 |
| Barm. Bank-V. | 36 | 10 | 10* | 198 | 154 | 139 | 146 | 123 | 125 | 126 | 134 |
| Berl. Handels | 22 | 12 | 12* | 302 | 305 | 243 | 249 | 206 | 211 | 210 | 223 |
| Com. & Priv. | 75 | 11 | 11* | 227 | 199 | 171 | 203 | 181 | 184 | 181 | 188 |
| Darmst. u. Nat. | 60 | 12 | 12* | 301 | 301 | 223 | 293 | 252 | 257 | 255 | 275 |
| Deutsche Bank | 150 | 10 | 10 | 213 | 176 | 159 | 176 | 159 | 160 | 160 | 168 |
| Disconto-Ges. | 135 | 10 | 10 | 201 | 170 | 150 | 168 | 150 | 152 | 150 | 156 |
| Dresdner | 100 | 10 | 10 | 200 | 174 | 152 | 175 | 154 | 156 | 156 | 163 |
| Mitteld. Credit | 22 | 9 | 10* | 275 | 228 | 196 | 216 | 180 | 183 | 181 | 185 |
| Dt. Übersee | 30 | 7 | 7* | 140 | 116 | 103 | 110 | 100 | 100 | 100 | 100 |
| Reichsbank | 300 | 12 | 12* | 196 | 341 | 186 | 334 | 289 | 303 | 304 | 323 |

* Für 1928

Auf dem Markt der Kreditbanken herrschte durchweg feste Stimmung. Den größten Gewinn erzielten Darmstädter, die sich Tag für Tag um 3—4 Punkte befestigten und im ganzen 20 Punkte gewannen. Berliner Handelsges. zogen um 13 Punkte an. Auch die übrigen Werte hatten namhafte Gewinne, die sich zumeist im Rahmen von 6—8 Punkten hielten. Reichsbankanteile lagen besonders am Anfang des Berichtsabschnitts sehr fest und erreichten schon am 1. Juni einen Kurs von 321. Auch die Aktien der anderen Notenbanken schlossen sich diesmal der Bewegung an: Badische Bank stiegen von 153 auf 160½, Sächsische Bank von 182 auf 201 (Kurs in Dresden).

### Hypothekenbanken

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **166** | **153** | **166** | **146** | **146** | **147** | **155** |
| Bayr.H.u.W.Bk. | 45 | 10 | 10* | 255 | 181 | 153 | 175 | 139 | 143 | 142 | 158 |
| Bayer.Vereinsb. | 20 | 10 | 10* | 249 | 180 | 154 | 171 | 140 | 143 | 140 | 153 |
| Berliner Hyp. | 5 | 12 | 12* | 345 | 242 | 190 | 212 | 189 | 205 | 212 | 205 |
| Goth. Gr.-Cred. | 7,5 | 9 | 10* | 280 | 159 | 130 | 145 | 133 | 134 | 133 | 133 |
| Hamb. Hypoth. | 9 | 8 | 10* | 295 | 161 | 131 | 169 | 143 | 146 | 146 | 147 |
| Meininger Hyp. | 16 | 9 | 10* | 215 | 148 | 131 | 145 | 123 | 123 | 123 | 131 |
| Pr. Bod. Cred. | 13 | 8 | 10* | 210 | 144 | 131 | 144 | 123 | 124 | 123 | 129 |
| Pr. Centr.-Bod. | 18 | 9 | 10* | 223 | 175 | 145 | 175 | 143 | 145 | 150 | 155 |
| Pr. Hypotheken | 12 | 9 | 10* | 311 | 158 | 136 | 150 | 133 | 136 | 138 | 139 |
| Pr. Pfandbrief | 21 | 10 | 12* | 322 | 176 | 147 | 187 | 170 | 172 | 172 | 181 |
| Rhein. Hypoth. | 12 | 9 | 10* | 230 | 217 | 175 | 216 | 145 | 151 | 145 | 153 |
| Sächs.B.Cred.A. | 9 | 12 | 12* | 350 | 208 | 145 | 175 | 153 | 158 | 154 | 160 |
| Südd. B.-Cred. | 9 | 10 | 10* | 375 | 228 | 165 | 195 | 151 | 161 | 153 | 170 |

* Für 1928

Die größten Gewinne auf diesem Marktgebiet hatten Bayerische Hyp. und Wechsel mit 16, Bayerische Vereinsbank mit 13 und Südd. Boden mit 17 Punkten. Die übrigen Werte gewannen im Durchschnitt 5—6 Punkte. Berliner Hyp. hatten im Gegensatz zur Allgemeintendenz diesmal schwankende und

zumeist schwache Haltung und gaben bis zum Schluß des Berichtsabschnitts sogar den Vorwochengewinn wieder her.

## Versicherung

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **310** | **268** | **300** | **265** | **269** | **265** | **271** |
| Aach. M. Feuer | 18 | 20 | 20† | 395 | 397 | 345 | 389 | 313 | 318 | 315 | 325 |
| Allianzu.Stuttg. | 60 | 12 | V12† | 360 | 320 | 246 | 262 | 241 | 248 | 245 | 246 |
| Frankf. Allgem. | 25 | 12½ | 12½* | 198 | 210 | 172 | 1018 | 945 | 950 | 955 | 962 |
| Leipz. Feuer .. | 7,5 | 12 | 14 | 370 | 290 | 235 | 243 | 201 | 202 | 201 | 205 |
| Magdeb. Feuer. | 4,88 | 10 | 10† | 134 | 116 | 101 | 542 | 480 | 490 | 480 | 506 |
| Magd. Rückv. . | 3 | 6 | 10† | 41 | 41 | 28 | 38 | 35 | — | — | — |
| Nordst. Allg. .. | 3,4 | 12 | 14† | 109 | 310 | 210 | 300 | 275 | 280 | 278 | 278 |
| Schles. Feuer . | 5 | 4 | 4† | 125 | 80 | 65 | 73 | 60 | 60 | 62½ | 62½ |
| Vaterl. & Rhen. | 11,2 | 34 | 36* | 660 | 585 | 450 | 598 | 468 | 510 | 475 | 494 |

* Kurse und Dividenden in RM je Aktie. — † Für 1928

Auch Versicherungs-Aktien hatten einen guten Markt. Die größten Gewinne erzielten Magdeburger Feuer und Vaterl. & Rhenania.

## Schiffahrt

| Gruppenindex | | | | | **173** | **141** | **138** | **118** | **120** | **118** | **129** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Hapag ..... | 160 | 8 | 7* | 178 | 175 | 135 | 141 | 114 | 117 | 116 | 124 |
| Hamburg-Süd | 40 | 8 | 8* | 277 | 229 | 177 | 200 | 170 | — | 183 | 195 |
| Hansa-Dampf . | 32 | 10 | 10* | 248 | 238 | 171 | 174 | 141 | 146 | 142 | 158 |
| Nordd. Lloyd . | 160 | 8 | 8* | 174 | 166 | 133 | 135 | 105 | 110 | 107 | 118 |
| Neptun ..... | 7 | 10 | 10* | 189 | 148 | 122 | 129 | 101 | 105 | 104 | 110 |
| Ver. Elbe-Schiff | 7,2 | 5 | 5 | 101 | 86 | 51 | 55 | 32 | 34 | 34 | 34¾ |

* Für 1928

Die Hauptwerte dieser Gruppe befestigten sich sukzessive um täglich einige Punkte. Am Mittwoch setzte sich zwar die Aufwärtsbewegung nicht weiter fort, immerhin gewannen gegenüber dem vorigen Berichtsabschnitt Hapag im ganzen 8, Nordd. Lloyd sogar 11 Punkte. Besonders groß war die Steigerung bei Hansa Dampf.

## Bahnen

| Gruppenindex | | | | | **103** | **94½** | **96½** | **90½** | **92½** | **90½** | **91½** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Reichsbahn ... | V.-A. | 7 | 7 | 117 | 101 | 90⅞ | 91½ | 85⅛ | 87¾ | 87¼ | 88 |
| A.-G. f. Verkehr | 30¹) | 11 | 11* | 242 | 220 | 168 | 177 | 148 | 150 | 149 | 160 |
| Allgem. Lokalb. | 18 | 12 | 12* | 225 | 216 | 178 | 182 | 157 | 163 | 159 | 170 |
| Hamb. Hochb.. | 95,9 | 6 | 6* | 110 | 90 | 75 | 78 | 68 | 75⅛ | 68 | 70 |
| Lübeck-Büchen | 45 | 5 | 5* | 140 | 102 | 70 | 89⅝ | 75½ | 82 | 77½ | 79½ |
| Südd. Eisenb. . | 20,8 | 10 | 10 | 179 | 144 | 119 | 129 | 120 | 126 | 123 | 124 |
| Zschipk.-Finst. | 3,4 | 15 | 15* | 340 | 287 | 229 | 255 | 208 | 210 | 208 | 210 |

¹) Vorschlag 47,25 RM — * Für 1928

Reichsbahn-Vorzugsaktien schlossen die Woche mit demselben Kurs, den sie vor acht Tagen hatten (88 %), obwohl in der Zwischenzeit die Dividende abging (mit 3½ %). A.-G. f. Verkehr gewannen 11 Punkte.

## Berg- und Hüttenwerke

Von den westlichen Montanwerten, die diesmal im Mittelpunkt der Börsenbewegung standen, konnten verschiedene Papiere neue Jahreshöchstkurse erreichen, die allerdings zum Schluß teilweise nicht ganz behauptet wurden. So kamen Harpener am Dienstag bis auf 150, Gelsenkirchen bis auf 140, Hoesch auf 132 usw. Stahlverein überschritten zum ersten Mal in diesem Jahre den Parikurs. Bei Mannesmann, die bis zum Montag auf 130¼ gestiegen waren, ging am Dienstag die Dividende ab. In der G.-V. wurde mitgeteilt, daß alle Betriebe der Gesellschaft zusammengenommen für die ersten 4 Monate des laufenden Jahres ungefähr den gleichen Überschuß wie im Vorjahr aufzuweisen hätten. In der Buderus-G.-V. verteidigte die Verwaltung die zurückhaltende Dividendenpolitik mit dem Gesichtspunkt der Betriebsmittelstärkung, ferner auch mit verstärkter Lagerarbeit wegen des Saisoncharakters des Buderus-Geschäfts. Mansfeld, deren Kurs sich um 13 Punkte befestigen konnte, beabsichtigen die Errichtung einer neuen Zinkvitriolanlage. Stolberger Zink konnten bis zum Montag auf 157¼ anziehen und gingen dann nicht im Ausmaß des Dividendenabschlags zurück. In der G.-V. gab eine schwache Opposition gegen sämtliche Beschlüsse Protest zu Protokoll. Die Verwaltung teilte mit, daß das neue Geschäftsjahr durch die Auswirkungen des harten Winters (Vereisung der Anlagen usw.) erheblich beeinflußt worden sei und sich nicht so günstig angelassen habe wie erwartet. Von den oberschlesischen Werten lagen besonders Hohenlohe sehr fest, die im variablen Verkehr sogar zeitweise

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **131** | **111** | **114** | **105** | **106** | **107** | **116** |
| Buderus ..... | 26 | 5 | 5* | 149 | 108 | 79½ | 86¾ | 68 | 72 | 71 | 77¾ |
| Dea ..... | 100 | 6 | 7 | 214 | 145 | 122 | 139 | 110 | 113 | 111 | 118 |
| Essener Steink. | 52,5 | 8 | 8* | 238 | 163 | 117 | 135 | 110 | 116 | 116 | 129 |
| Gelsenk. Bgw. . | 250 | 8 | 8† | 210 | 147 | 119 | 140 | 122 | 130 | 129 | 138 |
| Harpener ..... | 100 | 6 | 0 | 278 | 205 | 129 | 150 | 127 | 129 | 136 | 147 |
| Hoesch ..... | 70,3 | 8 | 6½† | 230 | 160 | 123 | 132 | 113 | 118 | 115 | 129 |
| Klöckner ..... | 110 | 7 | 6† | 199 | 140 | 104 | 112 | 96¼ | 100 | 97⅛ | 109 |
| Köln-Neuessen. | 70,3 | 9 | 7† | 241 | 159 | 120 | 130 | 111 | 117 | 113 | 128 |
| Mannesmann . | 185 | 8 | 7* | 247 | 165 | 124 | 132 | 109 | 117 | 117 | 122 |
| Mansfeld ..... | 37,5 | 7 | 7 | 175 | 132 | 106 | 146 | 111 | 123 | 121 | 134 |
| Mitteld. Stahlw. | 50 | 7 | 7† | — | 133 | 113 | 134 | 121 | 122 | 121 | 127 |
| Oberbedarf ... | 27,7 | 5 | 5† | 138 | 119 | 83 | 114 | 80 | 81¼ | 80⅝ | 91⅞ |
| Oberkoks ..... | 80 | 6 | 7* | 158 | 120 | 91 | 115 | 98 | 106 | 104 | 113 |
| do. Genußsch. | 10 | 0 | 6 | — | 96 | 71 | 92 | 75 | 83¼ | 84 | 90¾ |
| Phönix-Bgb. .. | 205 | 6½ | 6½* | 153 | 106 | 87½ | 98 | 86⅛ | 86⅞ | 87½ | 95¾ |
| Rheinstahl ... | 160 | 6 | 6 | 273 | 189 | 131 | 138 | 110 | 115 | 114 | 132 |
| Riebeck-Mont.. | 50 | 6 | 7,2† | 195 | 164 | 139 | 152 | 136 | 142 | 141 | 149 |
| Ver. Stahlwerke | 800 | 6 | 6† | 165 | 110 | 90½ | 104 | 89 | 91⅛ | 91⅞ | 104 |
| Hohenlohe .... | 23,75¹) | 7½ | 6† | 136 | 112 | 61¾ | 99⅛ | 68 | 88 | 88 | 97 |
| Laurahütte ... | 41,6 | 0 | 0† | 113 | 88 | 65¼ | 74⅞ | 64¾ | 68 | 65½ | 74⅞ |
| Max-Hütte ... | 22,5 | 10 | 10§ | 294 | 214 | 168 | 206 | 174 | 184 | 177 | 186 |
| Schles. Bgb. Zink | 40¹) | 8 | 8* | 175 | 154 | 116 | 136 | 117 | 117 | 116 | 125 |
| Schles. Bgw. B. | 16,7 | 12 | 10* | 222 | 189 | 139 | 151 | 125 | 126 | 125 | 132 |
| Stolberg-Zink . | 14,3 | 6 | 6 | 320 | 228 | 144 | 180 | 145 | 147 | 145 | 155 |
| Concordia Bergb. | 20 | 6 | V0 | 107²) | 105 | 71 | 74 | 67 | 67¾ | 67 | 67 |
| Magdeb. Bgw. . | 10,29 | 0 | 0* | 217 | 114 | 54 | 60½ | 47 | 53 | 55¼ | 60½ |
| Mülheim Bgw. | 20 | 7 | 7* | 210 | 143 | 101 | 111 | 96¾ | 98 | 97¾ | 106 |
| Preußengrube . | 12 | 0 | 5 | 150 | 111 | 90 | 115 | 111 | 114 | 114 | 110 |
| Rh.-W. St.-u. W. | 6,5 | 8 | 8† | — | 174 | 130 | 136 | 90 | 95 | 91¾ | 103 |
| Sächs. Guß. Döhl. | 7 | 6 | 6† | 205 | 154 | 123 | 127 | 88 | —B | 88 | 95 |
| Ver. v. d. Zypen | 2,2 | 9 | 9* | 303 | 230 | 188 | 199 | 177 | 177 | 177 | 177 |
| Wittener Guß . | 10,4 | 0 | 0 | 91 | 75 | 41 | 53½ | 31 | 47 | 47 | 53½ |

† Für 1927/28 — * Für 1928/29 — ¹) Zloty — ²) Einführungskurs 16. 12. 27

über pari stiegen. Oberkoks berichten, daß die schlechten Erträgnisse der bergbaulichen Unternehmungen durch die Gewinne aus den chemischen Geschäftszweigen überkompensiert worden seien.

## Braunkohle

| Gruppenindex | | | | | **237** | **208** | **234** | **216** | **219** | **223** | **231** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ilse ..... | 50 | 8 | 10* | 372 | 310 | 219 | 233 | 205 | 212 | 208 | 226 |
| do. Genußsch. | 40 | 8 | 10* | — | 137 | 110 | 134 | 113 | 118 | 117 | 125 |
| Rhein. Braunk. | 67,2 | 10 | 10 | 335 | 315 | 231 | 305 | 267 | 285 | 285 | 305 |
| Anhalt-Kohle . | 22,95 | 6 | v6* | 170 | 119 | 90 | 101 | 86 | 88 | 87 | 94¾ |
| Bubiag ..... | 20 | 10 | 10 | 258 | 191 | 160 | 168 | 150 | 152 | 151 | 160 |
| Braunschw. K. | 12,75 | 10 | 10* | 325 | 294 | 200 | 236 | 215 | 236 | 232 | 232 |
| Eintr. Braunk.. | 24 | 10 | 10* | 240 | 177 | 155 | 165 | 137 | 142 | 140 | 147 |
| Leopoldsgrube. | 17,5 | 0 | 4* | 175 | 104 | 66½ | 86¾ | 60¼ | 62½ | 60¼ | 69¼ |
| Niederl. Kohle . | 24 | 10 | 10* | 235 | 175 | 153 | 166 | 135 | 142 | 139 | 148 |
| Roddergrube .. | 18 | 27 | 27* | 680 | 910 | 620 | 900 | 820 | 830 | 825 | 876 |
| Wersch.-Weißenf. | 17,5 | 10 | v10* | 270 | 189 | 151 | 153 | 130 | 141 | 142 | 145 |

† Für 1927/28 — * Für 1928

Die beiden Hauptwerte dieser Gruppe, Ilse und Rhein. Braun., lagen sehr fest und gewannen beide etwa 20 Punkte. Bei Rhein. Braun. wird eine Kapitalerhöhung auf 80 Mill. bei einem Bezugsrecht 10 zu 1 erwogen (vgl. besondere Notiz). Sonst hatten Roddergrube den größten Gewinn, die schon am 31. von 825 auf 860 stiegen. Bei Grepiner Werke (letzter Kurs 95½) haben die Elektrowerke A.-G. als Majoritätsbesitzer sich bereit erklärt, alle ihnen angebotenen Aktien bis zum 10. Juli zu 102 % zu übernehmen.

## Elektroholding

| Gruppenindex | | | | | **235** | **190** | **220** | **191** | **199** | **199** | **208** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Bank el. Werte | 24,2 | 10 | 10† | 244 | 176 | 150 | 159 | 137 | 150 | 152 | 153 |
| Elektra, Dresden | 15 | 12 | 10 | 256 | 204 | 177 | 197 | 180 | 192 | 180 | 184 |
| El. Lieferung .. | 40 | 10 | 10* | 216 | 191 | 162 | 180 | 150 | 156 | 158 | 169 |
| El. Licht u. Kraft | 30 | 10 | 10† | 234 | 268 | 207 | 248 | 201 | 215 | 216 | 227 |
| Gesfürel ..... | 75 | 10 | 10* | 316 | 305 | 243 | 264 | 209 | 219 | 217 | 230 |
| Lahmeyer .... | 18 | 10 | 10† | 209 | 186 | 152 | 184 | 159 | 165 | 165 | 175 |
| Rhein.-Elektra | 12,6 | 9 | V9* | 217 | 182 | 146 | 178 | 155 | 160 | 159 | 167 |
| Schuckert & Co. | 60 | 8 | V11* | 237 | 269 | 166 | 255 | 214 | 244 | 244 | 249 |

† Für 1927/28 — * Für 1928

Den größten Gewinn in dieser Gruppe hatten Gesfürel, die vorübergehend auf 232¼ stiegen. Schuckert glichen den Dividendenabschlag voll wieder aus und gewannen darüber hinaus noch einige Punkte. In der G.-V. wurde mitgeteilt, daß zwischen Schuckert und Licht & Kraft ein Übereinkommen erzielt worden sei, das „neben dem Austausch von Erfahrungen die künftige gemeinsame Bearbeitung und Durchführung neuer Geschäfte" zum Ziele habe.

## Elektroindustrie

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **234** | **163** | **209** | **188** | **195** | **199** | **205** |
| A. E. G. ...... | 150[1]) | 8 | 8§ | 229 | 203 | 150 | 197 | 162 | 184 | 194 | 192 |
| Bergmann .... | 44 | 9 | 9† | 250 | 247 | 170 | 235 | 200 | 210 | 215 | 224 |
| Felten & Guill. | 66 | 6 | V7½† | 183 | 160 | 116 | 148 | 131 | 139 | 135 | 147 |
| Siem. & Halske | 105 | 12 | 14§ | 339 | 443 | 258 | 419 | 363 | 376 | 380 | 403 |
| Accumul.Hagen | 20 | 8 | V8* | 192 | 180 | 143 | 164 | 148 | 151 | 148 | 156 |
| Brown Boveri . | 25 | 9 | 9† | 162 | 167 | 150 | 155 | 138 | 140 | 138 | 139 |
| Dt. Kabel .... | 10 | 0 | 0† | 144 | 103 | 65 | 69 | 53¼ | 56 | 53½ | 59¼ |
| Dt.Teleph.u. K. | 7,2 | 7 | 0§ | 160 | 145 | 106 | 130 | 57 | 59 | 58 | 79½ |
| Jüdel Signal .. | 10 | 8 | 9§ | 189 | 172 | 113 | 164 | 130 | 145 | 147 | 148 |
| Lorenz ....... | 9,5 | 6 | V6* | 164 | 168 | 100 | 182 | 152 | 166 | 164 | 166 |
| Lüdensch. Met. | 5 | 5 | 6§ | 139 | 114 | 82½ | 108 | 88 | 91 | 90½ | 88 |
| Mix & Genest . | 16 | 9 | 8† | 210 | 161 | 110 | 114 | 99 | 101 | 102 | 103 |
| Pöge ......... | 6 | 6 | 0 | 120 | 121 | 58 | 66⅞ | 49⅛ | 53¾ | 52 | 65½ |
| Sachsenwerk .. | 14,15 | 7 | 7½† | 147 | 147 | 114 | 131 | 103 | 105 | 103 | 112 |
| Teleph. Berl.[2]) . | 7,1 | 0 | 5 | 126 | 84 | 56 | 66 | 47¼ | 49½ | 47½ | 53½ |
| Ver.Busch-Jaeg. | 2,57 | 0 | 0§ | 106 | 97 | 68 | 98 | 60 | — | —B | — |
| Vogel Draht .. | 8,2 | 6 | 6§ | 135 | 100 | 80 | 82 | 67 | 71 | 68¾ | 78½ |
| Voigt&Haeffner | 7,5[3]) | 8 | 9† | 220 | 256 | 175 | 213 | 205 | 207 | 210 | 213 |

† Für 1928 -- § Für 1927/28 — [1]) Ferner RM 36,25 Mill. V.-A. — [2]) Ferner RM 2,7 Mill. V.-A. — [3]) Dividende für 1927 p. r. t.

Im Mittelpunkt der Aufwärtsbewegung am Elektromarkt standen diesmal Siemens & Halske, die besonders am Dienstag sehr fest lagen und im ganzen 23 Punkte gewannen. Auch Bergmann und Felten & Guilleaume konnten sich nennenswert befestigen, während AEG nach dem großen Gewinn der Vorwoche diesmal unter Schwankungen 2 Punkte verloren. Von den übrigen Werten ist die kräftige Aufwärtsbewegung von Dt. Telefon und Kabel bemerkenswert, die 20 Punkte gewannen. Fest waren auch Pöge, Sachsenwerk und Vogel Draht, während Lüdenscheid auf einen neuen Tiefkurs sanken.

## Strom-, Gas-, Wasserlieferung

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** . | | | | | **178** | **143** | **180** | **181** | **164** | **164** | **175** |
| Charl. Wasser | 60 | 7 | 8† | 182 | 141 | 117 | 136 | 107 | 110 | 108 | 118 |
| Dessauer Gas . | 75 | 8 | 9* | 252 | 223 | 167 | 229 | 198 | 205 | 203 | 216 |
| El. W. Schlesien | 30 | 8 | 8* | 195 | 150 | 116 | 128 | 105 | 110 | 107 | 110 |
| Hambg. El.-W. | 88 | 10 | 10† | 193 | 169 | 142 | 154 | 136 | 138 | 139 | 147 |
| R. W. E. ..... | 181 | 9 | 9† | 225 | 248 | 164 | 261 | 227 | 238 | 237 | 261 |
| Schles.El.u.Gas | 32 | 10 | 10* | 234 | 264 | 177 | 233 | 175 | 188 | 180 | 203 |
| Thür. Gas .... | 30,8 | 9 | 9* | 180 | 177 | 140 | 167 | 134 | 138 | 135 | 145 |
| Transradio ... | 16,5 | 8 | 8* | 165 | 171 | 126 | 160 | 140 | 149 | 156 | 147 |
| Amperwerke .. | 14 | 7 | 7† | 149 | 120 | 101 | 116 | 99 | 104 | 104 | 105 |
| Bayer.El.-Lief. | 15 | 7 | 7* | 125 | 106 | 93 | 109 | 82 | 86 | 85 | 88 |
| Dt. Atlanten .. | 7,11 | 7 | 7* | 142 | 177 | 102 | 145 | 109 | 115 | 115 | 125 |
| Frankf. Gas .. | 25 | 7 | 6 | 210 | 160 | 143 | 143 | 134 | 130 | — | — |
| Gas,W.u.El.B. | 12 | 6 | 6* | 129 | 129 | 83 | 121 | 96 | 97 | 100 | 108 |
| Neckarwerke .. | 20 | 9 | 9* | 172 | 150 | 130 | 140 | 120 | 125 | 120 | 125 |
| Rheinfelden .. | 12[1]) | 10 | 10* | 200 | 204 | 174 | 197 | 170 | 185 | 170 | 174 |
| Wasserw.Gels. . | 28 | 7 | 9 | 168 | 148 | 130 | 151 | 130 | 133 | 132 | 134 |

† Für 1927/28 — * Für 1928 — [1]) V15 Mill.

In dieser Gruppe hatten diesmal Schles. B.-Gas den größten Gewinn von 23 Punkten; fast ebenso stark waren RWE gesteigert, die mit 261 einen neuen Jahreshöchstkurs erreichten. Bei Transradio ist der Dividendenabschlag zu berücksichtigen.

## Lokomotiven, Waggons

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **112** | **91 3/8** | **99** | **85 9/11** | **86 4/5** | **85 9/11** | **95 1/12** |
| Berl. Maschinen | 15,75 | 6 | 0† | 166 | 136 | 83½ | 92¾ | 68 | 70 | 68 | 84 |
| Orenst.&Koppel | 36 | 5 | 6* | 167 | 140 | 100 | 101 | 81 | 87 | 85¾ | 96½ |
| Els.-Verkehrsm. | 5,2 | 8 | 10† | 151 | 198 | 130 | 168 | 127 | 161 | 160 | 160 |
| Görl. Waggon[1]) | 6 | 8 | 10 | — | 120 | 110 | 111 | 100 | 106 | 103 | 111 |
| Hanomag .... | 14 | 0 | 0 | 155 | 81 | 39⅞ | 55 | 43¾ | 50 | 46 | 52 |
| Krauss & Co. .. | 5 | 0 | 0* | 97 | 76 | 50 | 65 | 50⅝ | 60⅛ | 58 | 58 |

† Für 1927/28 — [1]) Einführungskurs am 27. November 1928 116% — * Für 1928

Berl. Maschinen, die besonders am Montag stark anziehen konnten, gewannen im ganzen 16 Punkte. Auch Orenstein & Koppel lagen sehr fest.

## Maschinen- und Metallindustrie

Von den Hauptwerten dieser Gruppe hatte wieder die Schubert & Salzer-Aktie den größten Gewinn mit 27 Punkten. Aber auch bei den variablen Werten waren diesmal die Gewinne zum Teil sehr namhaft. Augsburg-Nürnberg stiegen um 11, Motoren Deutz um 12 Punkte. Von den übrigen Werten hatten Dt. Babcock, Kirchner und Reinecker große Steigerungen. Dagegen erreichten Gritzner und Küppersbusch zeitweise neue Tiefkurse. Alexanderwerk, die wieder keine Dividende ausschütten können, vermochten sich nur zu behaupten. Rheinmetall, die zeitweise bis auf 104 nachgaben, konnten trotz der allgemeinen Aufwärtsbewegung ihren Einführungskurs nicht wieder erreichen.

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **108** | **97** | **107** | **94½** | **97** | **97 1/5** | **101** |
| Dt. Maschinen . | 24 | 0 | 0 | 136 | 78 | 45 | 59¼ | 43¼ | 50 | 49 | 53½ |
| Loewe ....... | 20 | 10 | 10* | 382 | 279 | 225 | 247 | 193 | 201 | 198 | 210 |
| Metallgesellsch. | 65 | 8 | 8 | 202 | 161 | 122 | 146 | 125 | 128 | 126 | 133 |
| Schub. & Salzer | 19,25 | 16 | 16* | 418 | 393 | 331 | 346 | 280 | 288 | 289 | 316 |
| Augsb.-Nürnb. | 20 | 0 | 6§ | 175 | 128 | 90½ | 95¾ | 74 | 76 | 75¼ | 86 |
| Berl.Karlsr.Ind. | 30 | 0 | 0 | 147 | 89 | 58 | 70½ | 55¼ | 59¼ | 57½ | 62 |
| Dt. Eisenhandel | 24 | 6 | V7* | 125 | 96 | 72 | 83 | 75 | 78¾ | 77⅞ | 82⅝ |
| HackethalDraht | 9,2 | 6 | 8* | 139 | 104 | 83 | 104 | 85 | 90½ | 87½ | 94½ |
| Hartm.-Masch. | 10 | 0 | 0§ | 82 | 34 | 16 | 19 | 9⅛ | 10⅛ | 9⅛ | 9¾ |
| Hirsch-Kupfer . | 12 | 6 | 9* | 129 | 146 | 109 | 146 | 128 | 134½ | 130 | 133 |
| Körting, Gebr.. | 7,5 | 4 | 6* | 129 | 97 | 68 | 77½ | 50 | 63 | 61 | 69¾ |
| Miag Mühlenbau | 14,8 | 10 | 10 | 178 | 153 | 134 | 151 | 119 | 122 | 120 | 124 |
| Motoren Deutz | 12,75 | 0 | 0 | 95 | 75 | 58 | 71¾ | 56¼ | 54½ | 56¼ | 68 |
| Hugo Schneider | 6 | 8 | 10* | 143 | 128 | 106 | 132 | 109 | 111 | 109 | 118 |
| Alexanderwerk | 7,44 | 0 | 0 | 165 | 71 | 53½ | 55 | 45 | 45¾ | 45 | 45 |
| Berth. Messingl. | 5,5 | 7 | 7 | 163 | 110 | 78 | 78¼ | 54 | 58 | 54 | 56¼ |
| Dt.Babc.u.Wilc. | 8 | 9 | 9§ | 201 | 155 | 130 | 145 | 116 | 121 | 120 | 135 |
| Eisenw. Sprott. | 6,6 | 5 | 8 | 100 | 104 | 77 | 86½ | 64 | 71½ | 64 | 69 |
| Enzinger Union | 6,2 | 0 | 6* | 113 | 84½ | 38 | 86½ | 70¼ | 72¾ | 75½ | 78 |
| Frkf.Pok&Wit. | 6,6 | 4* | 4* | 119 | 85 | 63 | 67¼ | 49 | 50½ | 53 | 53¼ |
| R. Frister ... | 6 | 0 | V7* | 127 | 117 | 90 | 128 | 96 | 122 | 122 | 127 |
| Gritzner ..... | 6,3 | 11 | 6* | 154 | 147 | 115 | 118 | 68¾ | 79⅞ | 73¾ | 72 |
| Kirchner&Co. . | 5,5 | 6 | 6§ | 144 | 128 | 104 | 100 | 75 | 79 | 75 | 88 |
| Kollm.&Jourd. | 5 | 0 | 5 | 113 | 93 | 72½ | 75¼ | 49¾ | 50½ | 49¾ | 54 |
| Kölsch-Fölzer | 6 | 0 | 0§ | 107 | 69 | 54 | 60¼ | 44 | 52¾ | 53 | 59¾ |
| Kronpr.-Metall | 9,45 | 8 | 5* | 163 | 135 | 97 | 100 | 67¼ | 72 | 72½ | 74 |
| Küppersbusch | 4,9 | 12 | 10* | 232 | 199 | 171 | 195 | 154 | 165 | 161 | 163 |
| M.-Fbr. Buckau | 12 | 10 | 10* | 175 | 164 | 134 | 138 | 118 | 120 | 121 | 121 |
| Pintsch ...... | 9 | 8 | 10* | 170 | 186 | 160 | 180 | 175 | 176 | 188 | 188 |
| Reinecker,J.E. | 7,2 | 7 | 10§ | 167 | 130 | 102 | 126 | 104 | 107 | 104 | 116 |
| Rhein.Metall[1]) | 20 | 0 | 6§ | — | — | — | 108 | 104 | 108 | 106 | 107 |
| Schieß-Defries[2]) | 8 | 7 | 7* | — | 108 | 105 | 107 | 100 | 100 | 102 | 102 |
| Schüchterm. & Kremer-Baum | 6,6 | — | 6§ | 158 | 121 | 84 | 93½ | 73¾ | 75 | 73¾ | 82½ |
| Ver. Dt.Nickel | 11,66 | 11 | 12§ | 201 | 187 | 157 | 190 | 157 | 166 | 162 | 172 |
| Vogtl.Maschin. | 7,2 | 4 | 6§ | 128 | 90 | 69 | 77¼ | 65 | 67 | 67 | 73½ |
| Wegel.&Hübn. | 3,95 | 7 | 8* | 101 | 130 | 97 | 114 | 92½ | 94¾ | 94½ | 95¼ |
| W.Drahtf.Hamm | 6,7 | 5 | 5§ | 165 | 97 | 83 | 93 | 85½ | 90½ | 90 | 90 |
| Werften: | | | | | | | | | | | |
| BremerVulkan | 10 | 8 | 8 | 107 | 155 | 127 | 140 | 118 | 120 | 119 | 121 |

§ Für 1927/28 — * Für 1928 — [1]) Einführungskurs am 1. Nov. 1928 105% — [2]) Einf.-Kurs am 16. Mai 108%

## Kraftfahrzeuge

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **124** | **91 4/7** | **81** | **60 5/8** | **61 9/10** | **60⅔** | **64 3/8** |
| Daimler-Benz . | 50 | V0* | 0 | 147 | 120 | 72 | 67¾ | 51 | 53¾ | 51¾ | 57¾ |
| N. A. G. ..... | 17 | 0 | V0* | 149 | 108 | 51 | 55⅞ | 27 | 27⅝ | 27⅞ | 28½ |
| Adlerwerke ... | 19,25 | 5 | 0* | 160 | 143 | 77 | 87 | 43½ | 45 | 44⅝ | 55¼ |
| Bayer. Motoren | 16 | 14 | 14* | 325 | 285 | 185 | 235 | 117 | 145 | 146 | 126 |
| Dürkoppwerke | 6 | 0 | 0 | 110 | 80 | 40 | 57 | 24 | 26½ | 25 | 26½ |
| Horch ....... | 5 | 8 | 8* | 156 | 121 | 100 | 114 | 89 | 99¾ | 94 | 93½ |
| Magirus ...... | 5 | 0 | 0* | 101 | 62 | 32 | 40 | 20 | 23½ | 24 | 23½ |
| Wanderer .... | 15,65 | 12 | 6 | 132 | 243 | 112 | 106 | 70½ | 72¾ | 71½ | 90 |

*) Für 1928

Daimler-Benz befestigten sich um 6, Adler-Kleyer um 11, Wanderer sogar um 19 Punkte, während Horch, die mit 89 zeitweise einen neuen Tiefkurs erreichten, sogar etwas unter der Vorwoche schlossen. Daimler erzielten im laufenden Jahr einen um 10% höheren Umsatz. BMW verloren am 31. mehr als den Dividendenabschlag und gingen auch dann noch bis auf 117 zurück, um sich zum Schluß des Berichtsabschnitts wieder bis auf 125⅝ zu befestigen.

## Kali

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **322** | **183** | **319** | **213** | **252** | **257** | **268** |
| Kali Aschersleb. | 15,82 | 10 | 10* | 221 | 300 | 165 | 295 | 197 | 233 | 236 | 247 |
| Salzdetfurth .. | 16,1 | 15 | 15* | 284 | 525 | 241 | 531 | 297 | 380 | 394 | 409 |
| Westeregeln .. | 16,65 | 10 | 10* | 224 | 302 | 174 | 294 | 204 | 238 | 234 | 256 |
| Friedrichshall . | 32 | 5 | 7* | 180 | 210 | 150 | 199 | 165 | 175 | 173 | 179 |
| Burbach[1]) .... | 34 | 10 | 12* | — | — | — | 282 | 204 | 211 | 209 | 207 |
| Kalilnd. A.-G.[1]) | 20 | 12 | 12 | — | — | — | 241 | 218 | 230 | 231 | 245 |

[1]) Freiverkehr — *) Für 1928

Die Werte der Salzdetfurth-Gruppe waren bis zum 3. Juni sehr fest (Salzdetfurth 414), um dann wieder

etwas nachzugeben. Lebhaftes Geschäft hatten am letzten Tag des Berichtsabschnitts Kaliindustrie auf Nachrichten von einer Verbindung mit der Sauer-Gruppe. Herr Rosterg von Wintershall hat eine leitende Funktion im Sauer-Konzern übernommen, so daß er jetzt 42½ % (statt vorher rund 40) Syndikatsquote beherrschen dürfte. Gleichzeitig waren Gerüchte über ein bevorstehendes Bezugsrecht der Kaliindustrie A.-G. verbreitet, die aber dementiert wurden. Friedrichshall konnten den Dividendenabschlag mehr als ausgleichen.

## Chemie

| Gesellschaft | Kapital Mill RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22. 5. 1929 | 29. 5. 1929 | 5. 6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **240** | **210** | **231** | **210** | **213** | **215** | **229** |
| I. G. Farben .. | 1100[1]) | 12 | V12* | 353 | 291 | 243 | 267 | 236 | 244 | 246 | 262 |
| Dynamit Nobel | 37,50 | 5 | 6 | 173 | 145 | 115 | 123 | 110 | 114 | 114 | 121 |
| Goldschmidt .. | 29 | 5 | V5* | 177 | 126 | 91¾ | 97⅜ | 77 | 80¾ | 77 | 89 |
| Rütgerswerke . | 73 | 6 | 6* | 151 | 109 | 91 | 106 | 85 | 87⅛ | 87 | 97 |
| Byk Gulden .. | 3,33 | 6 | 6* | 127 | 96 | 82 | 82 | 64⅝ | 69¾ | 71½ | 71 |
| Chem. Buckau . | 8,5 | 5 | 6* | 165 | 119 | 90 | 102 | 88 | 93 | 95 | 96 |
| Chem.v.Heyden | 14,7 | 5 | 5* | 152 | 141 | 116 | 127 | 86 | 90¾ | 87 | 93¼ |
| Chem. Albert . | 7,5 | 6 | 0 | 205 | 140 | 69¼ | 79¼ | 62 | 65¾ | 63 | 69½ |
| Chem.Brockhues | 4 | 7 | V7* | 120 | 110 | 78 | 115 | 89 | 91 | 90¾ | 102 |
| Fahlberg List . | 10,5 | 10 | 8* | 179 | 145 | 116 | 121 | 82 | 85⅞ | 82¼ | 97⅞ |
| Guanowerke .. | 5,6 | 4 | 4* | 117 | 100 | 60 | 64 | 50 | 55 | 53 | 52⅝ |
| Hageda ..... | 6 | 10 | 10* | 152 | 142 | 112 | 140 | 95¾ | 101⅞ | 100 | 109 |
| Heine & Co. ... | 5,2 | 0 | 3§ | 102 | 75 | 54½ | 62 | 45¾ | 50½ | 48¼ | 53 |
| Kötitzer Leder. | 4,28 | 11 | 12¼* | 160 | 163 | 133 | 154 | 138 | 141 | 140 | 152 |
| Lingner-Werke | 5,4 | 7 | 7 | 150 | 124 | 92 | 94 | 72 | 75¾ | 76¼ | 81½ |
| Mimosa ..... | 3,3 | 17 | 18* | 335 | 314 | 251 | 297 | 246 | 260 | 256 | 270 |
| Rh.W.Sprengst. | 12 | 4 | 4,8 | 132 | 112 | 92¼ | 99½ | 87½ | 87½ | 91½ | 97 |
| Sachtleben[2]) .. | 12,5 | 12 | 12* | — | 225 | 198 | 207 | 190 | 190 | 190 | 191 |
| Scher.-Kahlb. . | 30 | 9,6 | V14* | 250 | 320 | 220 | 322 | 290 | 312 | 320 | 325 |
| Union chem. F. | 6 | 4 | 0* | 109 | 85 | 50½ | 67 | 43 | 45 | 45 | 48¾ |
| Ver. Ultramarin | 5,46 | 10 | 12§ | 185 | 172 | 136 | 158 | 146 | 150 | 149 | 151 |

† Für 1926/27 — § Für 1927/28 — [1]) Ferner RM 250 Mill. Wandelanleihe — [2]) Einführungskurs am 24. Mai 220% — * Für 1928

Die Farben-Aktie lag während des ganzen Berichtsabschnitts fest und gewann im ganzen 16 Punkte. Von der Agfa-Ansco wird über gute Produktionsfortschritte berichtet. Rütgers rechnen bei stabilem Teermarkt mit steigenden Erträgnissen. Auch die übrigen Chemie-Werte hatten fast durchweg mehr oder weniger namhafte Kurssteigerungen zu verzeichnen. Mimosa gewannen 14, Fahlberg-List sogar 15 Punkte. Byk-Gulden holten den Dividendenabschlag im Laufe der Woche wieder ein.

## Gummi

| Gruppenindex | | | | | **126** | **100** | **134** | **112** | **126** | **128** | **141** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Conti Caoutch. | 40 | 6 | 7* | 150 | 152 | 110 | 175 | 132 | 161 | 157 | 175 |
| Calmon Asbest. | 4 | 0 | V0* | 77 | 57 | 40⅛ | 46 | 30 | 33½ | 31 | 35 |
| Harburg Phönix | 7,2 | 0 | 0* | 121 | 112 | 77 | 84½ | 65 | 74⅛ | 66⅝ | 72⅞ |
| Peters Union .. | 9 | 8 | 8† | 143 | 118 | 95 | 129 | 101 | 119 | 119 | 129 |

† Für 1926/27 — * Für 1928

Conti Caoutchouc lagen während des ganzen Berichtsabschnitts ununterbrochen fest und gewannen 18 Punkte. Peters Union befestigten sich in entsprechendem Ausmaß. Auch Harburg-Phönix konnten sich nach dem Rückgang der Vorwoche wieder erholen.

## Textil

| Gruppenindex | | | | | **159** | **141** | **149** | **115** | **121** | **115** | **121** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Dt. Wollwaren. | 6,5 | 0 | V0* | 88 | 64 | 33 | 46½ | 21 | 21½ | 22¼ | 23½ |
| Hammersen .. | 25[1]) | 6 | 10 | 188 | 183 | 135 | 138 | 128 | 136 | 133 | 134 |
| Nordd. Wollk. . | 75 | 12 | V8*[2]) | 240 | 232 | 161 | 191 | 140 | 149 | 144 | 154 |
| Schles. Textil . | 8,8 | 0 | 0 | 153 | 98 | 36 | 39⅛ | 24⅛ | 27½ | 28 | 29 |
| StöhrKammgarn | 22 | 10 | 10*[1]) | 207 | 283 | 161 | 242 | 133 | 145 | 134 | 145 |
| Berl. Gub. Hut | 6,3 | 16 | V16* | 440 | 435 | 320 | 343 | 281 | 293 | 281 | 311 |
| Brem. Wollk. . | 10 | 12 | 12* | 250 | 266 | 180 | 226 | 172 | 172 | 173 | 187 |
| ConcordiaSpinn. | 5,50 | 10 | 8* | 194 | 144 | 101 | 108 | 87 | 87½ | 87¼ | 87⅞ |
| Dresd.Gardinen | 9 | 8 | 12 | 173 | 172 | 126 | 136 | 117 | 121 | 118 | 124 |
| Erlangen-Bamb. | 6,5 | 10 | V8* | 213 | 181 | 150 | 152 | 140 | 140 | 140 | 140 |
| Girmes & Co. . | 5 | 10 | 15 | 250 | 310 | 226 | 265 | 220 | 228 | 223 | 229 |
| Gruschw. Textil. | 13,26 | 7 | 6* | 136 | 113 | 74½ | 73 | 55 | 60¾ | 61 | 69 |
| Industriew. Pl. | 4,5 | 14 | 14* | 167 | 211 | 150 | 192 | 146 | 150 | 146 | 152 |
| Mech.Web.Lind. | 10,5 | 15 | 10* | 400 | 250 | 200 | 208 | 136 | 143 | 138 | 145 |
| Meyer-Kauffm. | 7,04 | 7 | 0* | 118 | 94 | 65½ | 72 | 43½ | 45½ | 44¾ | 49 |
| Mez & Söhne .. | 6 | 0 | 4 | 106 | 79 | 51½ | 73¼ | 53¾ | 62 | 60¾ | 61 |
| Schles. Lein. Kr. | 8,46 | 0 | 0 | 122 | 84 | 36½ | 37 | 15 | 15⅝ | 16 | 16¼ |
| Gebr. Simon . | 12 | 0 | 0 | 157 | 131 | 123 | 125 | 123 | 125 | 125 | 125 |
| Ver. Jute .... | 14,85 | 0 | 6 | 118 | 128 | 122 | 126 | 116 | 125 | 124 | 122 |

* Für 1928 — [1]) Davon 0,8 Mill. V.-A. — [2]) plus 10% Bonus — [1]) plus Bonus i. W. v. 5%

Von den Hauptwerten dieser Gruppe hatten nur Nordd. Wolle und Stöhr mit Gewinnen von 10 bis 11 Punkten größere Bewegung. In der Regreßklage Dierig-Hammersen wurde der erste Termin ohne Verhandlung vertagt. Von den übrigen Werten fiel die starke Aufwärtsbewegung von Berlin-Gubener Hut auf, die besonders am Dienstag sehr fest waren und gegenüber der Vorwoche im ganzen 30 Punkte gewannen. Mit einem sehr ansehnlichen Plus verließen auch Bremer Wolle den Berichtsabschnitt.

## Kunstseide

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex .** | | | | | **317** | **510** | **512** | **385** | **384** | **402** | **429** |
| Bemberg ..... | 28 | 14 | 14 | 632 | 669 | 415 | 469 | 324 | 340 | 332 | 358 |
| Ver. Glanzstoff | 75 | 18 | 18* | 760 | 867 | 530 | 526 | 405 | 415 | 428 | 455 |

* Für 1928

Glanzstoff und Bemberg lagen während des ganzen Berichtsabschnitts fest und konnten auch am Mittwoch noch weiter anziehen. Bemberg gewannen im ganzen 26, Glanzstoff 27 Punkte. Die in der letzten G.-V. von Glanzstoff hervorgetretene kleine Opposition hat nunmehr Anfechtungsklage gegen die G.-V.-Beschlüsse erhoben.

## Zellstoff, Papier

| Gruppenindex | | | | | **219** | **179** | **201** | **175** | **176** | **177** | **189** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Feldmühle .... | 16,5 | 12 | 12* | 286 | 279 | 190 | 242 | 187 | 195 | 191 | 212 |
| Zellst. Waldhof | 42,1 | 12 | 13⅓* | 368 | 330 | 245 | 290 | 245 | 250 | 252 | 258 |
| AmmendorfPap. | 4 | 15 | 12 | 285 | 251 | 177 | 189 | 155 | 156 | 155 | 161 |
| Aschaffenburg | 14,4[1]) | 12 | V12* | 260 | 239 | 167 | 210 | 176 | 181 | 181 | 202 |
| DresdnerChromo | 7 | 8 | 8 | 165 | 148 | 109 | 111 | 91¾ | 93 | 94⅛ | 101 |
| NatronZellstoff | 6,5 | 10 | V10* | 204 | 156 | 133 | 158 | 130 | 134 | 131 | 141 |
| ReisholzPapier | 6,18 | 12 | 12 | 336 | 280 | 225 | 254 | 221 | 235 | 222 | 247 |
| Varziner Papier | 5 | 8 | 10 | 162 | 151 | 134 | 140 | 120 | 120 | 121 | 125 |
| Zellstoff Verein | 8 | 10 | 10 | 193 | 159 | 125 | 127 | 106 | 107 | 107 | 118 |

* Für 1928 — 32.2

Auf diesem Marktgebiet hatte Reisholz nach dem Vorwochenverlust mit 25 Punkten die größte Steigerung aufzuweisen; auch Feldmühle waren wieder sehr fest. Bei Zellstoff-Verein soll entgegen früher gehegten Erwartungen im günstigsten Falle nur mit der Vorjahrsdividende von 10 % zu rechnen sein; der Kurs konnte trotzdem um 11 Punkte anziehen. Waldhof konnten nach dem Dividendenabschlag vom 30. Mai wieder erheblich anziehen. Ammendorf berichten über volle Beschäftigung nicht nur in Zeitungs-, sondern auch in Spezialpapieren.

## Zement, Baumaterialien

| Gruppenindex | | | | | **165** | **145** | **147** | **131** | **130** | **131** | **137** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Adler Zem. ... | 7,5 | 10 | V10* | 295 | 161 | 135 | 144 | 116 | 118 | 120 | 130 |
| Alsen Zem. ... | 6 | 15 | 15* | 290 | 241 | 200 | 217 | 185 | 187 | 185 | 191 |
| Basalt ..... | 24 | 0 | 6 | 126 | 97 | 60 | 60¼ | 48 | 49¼ | 49⅞ | 54 |
| Dolerit-Basalt . | 4,5 | 7 | V0* | 135 | 107 | 63½ | 63 | 40 | 42¾ | 40¼ | 45½ |
| Germania Zem. | 4,9 | 14 | 14 | 280 | 215 | 181 | 203 | 177 | 177 | 179 | 186 |
| Hemmoor Zem. | 3,78 | 15 | V15* | 295 | 288 | 231 | 287 | 263 | —G | 274 | 285 |
| Rh. Westf. Kalk | 15 | 8 | 8† | 191 | 155 | 103 | 125 | 103 | 121 | 122 | 123 |
| Schles. Zem. .. | 27 | 12 | 12* | 250 | 239 | 190 | 212 | 176 | 184 | 180 | 192 |
| Stett.Chamotte | 18,2 | 3 | 5 | 139 | 110 | 75 | 82 | 65 | 67¼ | 67 | 74½ |
| Stett. Zem. ... | 4 | 10 | 10* | 216 | 146 | 127 | 140 | 114 | 117 | 116 | 116 |
| Ver. Schlmisch. | 15 | 12½ | 15† | 291 | 274 | 215 | 238 | 222 | 229 | 222 | 225 |
| Wicking ..... | 31 | 12 | V10* | 231 | 210 | 144 | 174 | 142 | 148 | 144 | 151 |

† Für 1927/28 — * Für 1928

Von Zementwerten hatten Schlesische und Hemmoor mit 11 bis 12 Punkten die größten Gewinne. Auch Adler, die wieder 10 % Dividende vorschlagen, befestigten sich um 10 Punkte. Wicking ermäßigen aus 2,28 (i. V. 2,11) Mill. Reingewinn die Dividende auf RM 20 Mill. (i. V. 15,3) A.-K. von 12 auf 10 %. Die Herabsetzung wird begründet mit den Investitionserfordernissen für Neuwied und dem „beabsichtigten Ausbau der Auslandsbeziehungen". Es sei beabsichtigt, den Aktionären demnächst wieder ein „günstiges Bezugsrecht" zu gewähren. Der Kurs der Wicking-Aktie stieg bis zum 31. Mai auf 155 %, um dann um 6 Punkte nachzugeben und sich unter Schwankungen um 150 zu halten.

## Bau und Terrain

Unter den Bauwerten hatten Berger mit einem Gewinn von 29 Punkten die größte Steigerung aufzuweisen. Bei Industriebau ging am 30. Mai die Dividende ab, der Abschlag wurde noch nicht wieder eingeholt. Dyckerhoff & Widmann teilten in der G.-V. mit, daß zur Zeit nicht an eine Kapitalerhöhung gedacht werde. Von den Terrainwerten war Tempelhofer Feld auffällig fest. Bei fortgesetzter täglich 4 bis 5 Punkte betragender Steige-

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **199** | **128** | **144** | **125** | **128** | **125** | **133** |
| Holzmann .... | 20 | 7 | 7* | 241 | 170 | 127 | 140 | 108 | 113 | 109 | 120 |
| Berger Tiefbau | 7,5 | 20 | 20* | 424 | 433 | 293 | 424 | 364 | 375 | 371 | 400 |
| Allg.Baug.Lenz | 7,5 | 10 | 11* | — | 170[1]) | 150 | 166 | 143 | 144 | 143 | 149 |
| Allg. Häuserb. | 3,125 | 7 | 10 | 165 | 168 | 131 | 154 | 130 | 130 | 130 | 131 |
| Christ.&Unm. | 8 | 0 | V0* | 107 | 90 | 56 | 69¼ | 49 | 53½ | 52 | 52½ |
| Dyckerh.&Wid. | 8 | 6 | 8* | — | 122 | 120 | 122 | 108 | 109 | 110 | 113 |
| Goedhart,Gebr. | 3 | 10 | V15* | 140 | 360 | 123 | 372 | 196 | 206 | 196 | 208 |
| Grün&Bilfinger | 4,41 | 12 | 12* | 233 | 200 | 153 | 185 | 161 | 169 | 165 | 169 |
| Helim.&Littm. | 15 | 8 | 8* | 205 | 145 | 110 | 115 | 95 | 102 | 95 | 103 |
| Industriebau .. | 8 | 10 | 11* | 184 | 154 | 128 | 145 | 122 | 140 | 135 | 130 |
| Leipz. Immob. | 5,5 | 8 | 9 | 189 | 136 | 114 | 127 | 106 | 109 | 106 | 114 |
| Passagebau ... | 7,5 | 0 | 0 | 114 | 83 | 56 | 63½ | 47¾ | 50½ | 47¾ | 51 |
| Tempelh. Feld | 7,5 | 0 | 0 | 175 | 95 | 63½ | 66 | 45 | 47½ | 47½ | 66 |
| Wayss&Freyt.[2]) | 12 | 10 | V8* | — | 145 | 131 | 136 | 106 | 111 | 109 | 119 |

* Für 1928 — [1]) Einführungskurs am 7. 9. 1928 — [2]) Einführungskurs am 22. August 1928 143% — [3]) Einführungskurs am 14. 12. 28: 121%

rung — am 4. und 5. Juni mußte die Nachfrage repartiert werden — stellte sich der Gewinn schließlich auf über 18 Punkte.

## Glas, Porzellan, Steingut

| Gruppenindex | | | | | **148** | **128** | **129** | **112** | **114** | **112** | **119** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Dt. Steinzeug . | 4,5 | 15 | V15* | 266 | 295 | 222 | 244 | 211 | 217 | 222 | 224 |
| Dt.Ton-u.Steinz. | 10 | 10 | V11* | 185 | 181 | 143 | 162 | 134 | 140 | 139 | 152 |
| Gerresheim.Glas | 9,8 | 8 | 9* | 183 | 146 | 125 | 141 | 113 | 122 | 113 | 119 |
| L.Hutschenr. . | 9 | 8 | 9† | 175 | 156 | 118 | 125 | 97¾ | 102 | 102 | 112 |
| Kahla Porz. .. | 9 | 0 | 7 | 148 | 175 | 105 | 118 | 78½ | 81 | 78½ | 92 |
| Keramag ..... | 6 | 15 | V15* | 288 | 378 | 226 | 231 | 198 | 206 | 203 | 210 |
| Nordd.Steingut | 5 | 10 | 10 | 225 | 198 | 179 | 204 | 183 | 203 | 203 | 208 |
| Rhein Spiegelgl. | 6 | 12 | 12 | 228 | 193 | 162 | 181 | 139 | 145 | 145 | 149 |
| Rosenthal Porz. | 6 | 7 | V7* | 157 | 133 | 112 | 120 | 95 | 99¾ | 99¾ | 110 |
| Siemens Glas . | 10 | 9 | 9* | 205 | 159 | 138 | 145 | 125 | 125 | 125 | 133 |
| SteatitMagnesia | 5 | 10 | V11* | 175 | 190 | 147 | 166 | 139 | 141 | 141 | 163 |
| Ver. Laus. Glas | 9 | 6 | V0* | 171 | 141 | 86½ | 86½ | 53¼ | 58 | 60 | 69½ |

* Für 1928 — † Für 1927/28

Während Dt. Steinzeug sich nur wenig veränderten, konnten Dt. Ton- und Steinzeug diesmal um 13 Punkte anziehen. Porzellanwerte hatten einen guten Markt: Kahla gewannen 13 Punkte. Keramag schlagen wieder 15 % Dividende auf das um 2 auf 6 Mill. erhöhte Aktienkapital vor, Steatit Magnesia erhöhen auf 5 Mill. (i. V. 4 Mill.) A.-K. die Dividende von 10 auf 11 %.

## Leder, Schuhe

| Gruppenindex | | | | | **154** | **90⁹/₁₆** | **99½** | **80** | **92⁷/₁₆** | **92½** | **94⁴/₁** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Hirschb. Leder | 8 | 6 | 6* | 146 | 127 | 105 | 107 | 97½ | 103 | 102 | 99 |
| Tack Schuh ... | 5,6 | 7 | 8* | 143 | 120 | 98½ | 114 | 101 | 110 | 108 | 112 |
| Ver.SchuhBern. | 6,32 | 6 | 6* | 99 | 87 | 60¾ | 70 | 55 | 59¾ | 59 | 60 |

* Für 1928

Berneis-Wessels gingen nach dem Dividendenabschlag am 31. Mai noch auf 52½ zurück, konnten sich dann aber bei teilweisen Repartierungen erheblich befestigen. Hirschberger Leder holten dagegen den Dividendenabschlag nicht wieder ein. Sehr fest lagen diesmal Lingel (Steigerung von 48 auf 56) auf Nachrichten über günstigeren Geschäftsgang und wesentlich erhöhte Produktion.

## Brauereien

| Gruppenindex | | | | | **253** | **218** | **248** | **215** | **218** | **218** | **231** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ostwerke ..... | 44 | 12 | 12§ | 519 | 374 | 252 | 284 | 223 | 237 | 240 | 259 |
| Schultheiß .... | 50 | 15 | 15§ | 540 | 421 | 315 | 329 | 272 | 296 | 296 | 316 |
| Bank f.Brau-Ind. | 15 | 11 | 11† | 287 | 224 | 163 | 183 | 156 | 165 | 163 | 176 |
| B.Kindl.St.Prior | 4,15[1]) | 20 | 24§ | 640 | 570 | 435 | 617 | 505 | 525 | 525 | 561 |
| Engelhardt ... | 12,1 | 12 | 13§ | 285 | 255 | 190 | 240 | 216 | 231 | 230 | 235 |
| Löwen-Böhm. . | 6,25 | 12 | 12§ | 460 | 345 | 259 | 324 | 275 | 286 | 283 | 295 |
| BavariaSt.Pauli | 9 | 14 | 14 | 238 | 248 | 208 | 226 | 179 | 184 | 180 | 189 |
| Brauh. Nürnb. | 5,6 | 12 | 12§ | 250 | 207 | 174 | 181 | 164 | 169 | 164 | 170 |
| Dortmund. Akt. | 11,1 | 12 | 15§ | 299 | 263 | 215 | 281 | 224 | 229 | 230 | 238 |
| Dortm. Ritter . | 4,56 | 20 | 20§ | 408 | 390 | 331 | 381 | 292 | 303 | 292 | 308 |
| Dortm. Union . | 15 | 14 | 16† | 350 | 292 | 245 | 283 | 247 | 251 | 250 | 270 |
| Holsten ..... | 10 | 12 | 14§ | 250 | 230 | 183 | 216 | 189 | 189 | 189 | 193 |
| Leipz. Riebeck. | 18 | 10 | 12§ | 190 | 160 | 134 | 170 | 140 | 142 | 141 | 150 |
| Rückf. Nachf. . | 6 | 0 | 0† | 160 | 102 | 75 | 79 | 64 | 70¾ | 69 | 73 |
| Schöfferh.-Bind. | 5 | 20 | 20§ | 435 | 380 | 313 | 372 | 338 | 340 | 341 | 358 |
| Sinner ..... | 6,5 | 10 | 10† | 95[2]) | 149 | 131 | 140 | 115 | 120 | 123 | 127 |

† Für 1928 — § Für 1927/28 — [1]) Ferner RM 0,95 Mill. St.-A. und RM. 0,07 V.-A.

Von den Hauptwerten dieser Gruppe gewannen Ostwerke 19, Schultheiss 20 Punkte. Auch Braubank, die in den Vorwochen relativ wenig Bewegung gehabt hatten, verzeichneten diesmal eine starke Steigerung. Größere Gewinne hatten von Brauereien Berliner Kindl, Dortmunder Ritter, Dortmunder Union und Schöfferhof-Bind. zu verzeichnen.

## Zucker, Lebensmittel

| Gesellschaft | Kapital Mill. RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Gruppenindex** | | | | | **120** | **87** | **116** | **110** | **113** | **112** | **115** |
| Südd. Zucker . | 30 | 8 | 10* | 172 | 157 | 131 | 158 | 143 | 148 | 149 | 150 |
| Glauziger Zuck. | 8 | 5 | 7* | 142 | 101 | 90 | 92 | 79½ | 80¼ | 79½ | 86¼ |
| Zf. Kl.-Wanz.[1]) | 20 | 6 | 6* | — | 106 | 100 | 110 | 100 | 105 | 105 | 110 |
| **Gruppenindex** | | | | | **136** | **117** | **131** | **112** | **113** | **112** | **119** |
| Brem.Besigh.Oel | 10,88 | 4 | 4† | 95 | 79 | 60 | 69⅝ | 64½ | 64½ | 65 | 65 |
| Hoffm. Stärke | 4,26 | 5 | 6† | 129 | 85 | 69 | 81 | 67 | 69½ | 68½ | 69 |
| C. H. Knorr .. | 6 | 10 | 10 | 222 | 177 | 142 | 175 | 151 | 170 | 168 | 171 |
| Köhlm. Stärke. | 3,78 | 5 | 7* | 155 | 104 | 94 | 101 | 83¼ | 85½ | 85 | 90 |
| MühleRüningen | 4,25 | 10 | 10* | 174 | 143 | 115 | 125 | 117 | 119 | 120 | 119 |
| Sarotti ..... | V10* | 12 | 10* | 247 | 252 | 175 | 213 | 155 | 161 | 157 | 181 |
| Stollw. Gebr.[2]) | 16,45 | 9 | 14* | 162 | 191 | 139 | 167 | 126 | 127 | 126 | 136 |
| Thörls Oel ... | 14 | 6 | 6† | 136 | 110 | 96 | 102 | 90½ | 92½ | 92⅝ | 93¾ |

*Für 1927/28 — † Für 1928 — [1]) Einführungskurs am 1. März 105% — [2]) Dividende für 1927/28 einschl. 5% Bonus

Wanzleben gewannen 5, Glauziger sogar 7 Punkte. In der Gruppe Lebensmittel setzte sich der Rückgang der Schokoladenwerte diesmal nicht fort, im Gegenteil hatten Sarotti eine rasche und starke Aufwärtsbewegung zu verzeichnen und gewannen unter Berücksichtigung des Dividendenabschlags 34 Punkte. In der Sarotti-G.-V. betonte die Verwaltung gegenüber Aktionärbemängelungen, daß der Übergang der Majorität an die Nestlégruppe „kein Geschäft gewesen sei, das die Verwaltung gemacht habe oder hätte verhindern können". Mit der Kanoldgruppe beständen keine weiteren Bindungen.

## Verschiedenes

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Dt. Linol. W. . | 40 | 15 | 15 | 274 | 393 | 237 | 360 | 318 | 329 | 328 | 355 |
| Hotelbetriebs. . | 21,68 | 11 | 13† | 275 | 241 | 176 | 198 | 166 | 172 | 170 | 188 |
| Junghans Gebr. | 20 | 4 | 6† | 135 | 94 | 81½ | 82¼ | 62 | 66½ | 63¼ | 79 |
| Karstadt ..... | 80 | 12 | 12* | 190 | 273 | 153 | 236 | 200 | 209 | 205 | 215 |
| Leipz. Piano .. | 4,5 | 10 | 10† | 179 | 152 | 108 | 111 | 60 | 62 | 61 | 70 |
| LeonischeWerke | 6 | 7 | 8 | 142 | 130 | 101 | 104 | 71 | 79 | 75¼ | 78 |
| Lindes Eism. .. | 16,5 | 12 | 14* | 225 | 197 | 146 | 194 | 158 | 167 | 168 | 174 |
| Lindström[3]) .. | 7 | 15 | 20* | 320 | 1198 | 320 | 950 | 840 | 890 | 880 | 865 |
| Markt-u.Kühlh. | 8,4 | 12 | 12* | 215 | 175 | 145 | 155 | 126 | 133 | 132 | 135 |
| Minimax ..... | 4 | 10 | 10† | 140 | 132 | 118 | 130 | 119 | 119 | 122 | 126 |
| Norda.-Hochseef. | 20[1]) | 8 | 12† | 170 | 204 | 148 | 180 | 165 | 165 | 165 | 167 |
| Polyphon ..... | 17 | 14 | 20* | 209 | 570 | 211 | 483 | 331 | 444 | 454 | 445 |
| Tietz L. ..... | 37 | 6 | 10 | 204 | 334 | 187 | 300 | 248 | 286 | 286 | 292 |

† Für 1927/28 — * Für 1928 — [1]) Fusioniert mit Cuxhaven — [2]) 1000% am 14. Nov. 1928.

Warenhauswerte hatten nach im Anfang des Berichtsabschnitts erzielten Steigerungen von 5—10 Punkten wenig Bewegung. Polyphon stiegen vor dem Dividendenabschlag bis auf 456; nach einer zunächst nicht das Ausmaß des Abschlags erreichenden Abschwächung fiel der Kurs wieder auf 445. In der G.-V. teilte die Verwaltung mit, daß in den ersten fünf Monaten des neuen Geschäftsjahres wieder ein befriedigendes Anwachsen des Geschäfts zu verzeichnen sei. Die neue Pariser Fabrik werde in den nächsten Tagen die Fabrikation aufnehmen. Außerdem sind die Englandverhandlungen wieder in Fluß gekommen. Lindström verloren sukzessive im ganzen 15 Punkte. Fest waren Dt. Linoleum, die im ganzen 27 Punkte gewannen. Leipz. Piano vermochten sich nach den Kursrückgängen der letzten Wochen erstmalig wieder ansehnlich zu befestigen.

## Kolonialwerte

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Dtsch.-Ost-Afr. | 3 | 0 | 5 | — | 190 | 139 | 162 | 117 | 125 | 124 | 127 |
| Neu-Guinea .. | — | 8 | 10* | — | 860 | 590 | 625 | 411 | 435 | 422 | 470 |
| OstafrikaEisenb. | — | — | — | — | 34¼ | 18 | 25 | 20 | 21 | 20½ | 23 |
| Otavi ..... | 0,8£ | 11,1 | 12,5 | — | 67⅝ | 39 | 72⅝ | 64 | 65⅝ | 64⅝ | 70¾ |
| Schantung .... | — | — | — | 17 | 9,6 | 5⅝ | 5,7 | 4 | 4⅛ | 4 | 4,9 |

*) Für 1927/28

Neu-Guinea konnten im Zusammenhang mit der Erholung am Markt der Schuldbuchforderungen kräftig anziehen und im ganzen 38 Punkte gewinnen. Auch Otavi waren sehr fest; man glaubt mit einer Dividendenerhöhung auf 15 % (i. V. 12½ %) rechnen zu können.

## Auslandswerte

Chade gewannen 9, Svenska 25 Punkte. Chade weist für 1928 P. 58,38 Mill. Reingewinn aus gegen 45,38 im Vorjahr. Daraus werden bekanntlich 15 % Dividende

| Gesellschaft | Kapital Mill RM | Dividende Vorj. | Dividende letzte | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | Höchst 1929 | Tiefst 1929 | 22.5. 1929 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Baltimore .... | — | — | — | — | 122 | 102 | 120 | 117 | — | — | — |
| Canada ..... | — | — | — | — | 116 | 63¼ | 77¾ | 66¼ | 66½ | 64 | 68¼ |
| Chade ..... | 260 P | 14 | 15* | 596 | 659 | 474 | 494 | 417 | 432 | 426 | 434 |
| Montecatini²) . | 550 L | 18 | 18 | — | 65¾ | 63¾ | 64¾ | 53¼ | 54½ | 53½ | 53⅜ |
| Svenska ..... | 270 Kr. | 15 | 15 | 431 | 527 | 401 | 497 | 404 | 425 | 405 | 430 |
| Oest.Eis.Verk. . | 12 S | 10 | 10 | 40 | 34 | 28 | 31½ | 28 | 28¼ | 28¾ | 29¾ |
| Oest.S.-Schuck. | 26,25 S | 6 | 6 | 15¾ | 15 | 12⅛ | 16⅜ | 13⅛ | 13⅞ | 14½ | 15⅜ |
| Ver.Boehler St. | 19,5¹) | 9,28 | V10* | 161 | 172 | 136 | 153 | 131 | 134 | 131 | 131 |

*) Kurs in RM je Stück — ¹) Schweizer Fr. — ²) Einführungskurs am 13. Dezember 1928 65,75 — *) Für 1928

in Gold — bei einer 18proz. Abschwächung der Peseta — bezahlt (14 %). Der Stromabsatz stieg von 499 auf 543 Mill. kWh.

## Einheimische Renten

| | Betrag Mill. RM | Zinsfuß in % | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | 31.12. 1928 | 29.5. 1929 | 5.6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Dt. Anl. Abl.-Schuld ..... | — | — | 54,60 | 54,60 | 50,90 | 52,12 | 50.90 | 51,30 |
| do. Neubesitz ..... | — | — | 34,50 | 34,50 | 10,60 | 13 60 | 9.70 | 11.87 |
| Dt. Reichsanl. 1927 ..... | 500,00 | 6¹) | 92,00 | 92,00 | 85,90 | 87,50 | 87,50 | 87,50 |
| Berl. Anleihe 1926 ..... | 22,50 | 7 | 101,60 | 101,60 | 87,75 | 88,75 | 82,10 | 82,50 |
| Pr. Centralb. Pfandbr. ... | 110,73²) | 8 | 107,00 | 107,00 | 98,50 | 98,50 | 94,10 | 94,25 |
| do. ..... | 10,68²) | 6 | 99,50 | 99,50 | 87,00 | 87,00 | 81,50 | 81,50 |
| do. Liqu.-Pfandbr. .... | 71,00 | 4½ | 90,25 | 90,25 | 73,00 | 80,75 | 71,50 | 75,25 |
| Ver. Stahlw. Anl. o. O. .. | 126,00³) | 7 | 104,00 | 104,00 | 86,00 | 90,25 | 78,00 | 83,25 |

¹) Seit 1. August 1927 (vorher 5%) — ²) Umlauf am 30. 6. 28 — ³) Einschl der Stücke mit Aktienoption

Der Umschwung am Rentenmarkt gehört diesmal zu den charakteristischen Erscheinungen des Börsenbildes. Hier hat nicht nur die Einigung in Paris, sondern auch die glatte Überwindung des Ultimo und die Entspannung der Geldmarktlage einen Aufschwung herbeigeführt. Dieser ist um so bemerkenswerter, als er im Gegensatz zu der Bewegung am Aktienmarkt zum ersten Mal in diesem Jahr den bisher ununterbrochenen Rückgang der Rentenkurse unterbricht. Die Rendite der Festverzinslichen sank von 8,34 auf 8,30. Bezeichnend für die Bewegung ist aber, daß sie in der Hauptsache Aufwertungspapiere betraf. Auf Paris hin stieg die Neubesitzanleihe von 9,40 am 28. auf 11⁷/₈, und auch die Altbesitzanleihe war um 1½ Punkte höher. Schutzgebietsanleihe stellte sich auf 5,5 nach 4,4. 6proz. Reichsschuldbuchforderungen waren besonders fest. 32er, die am 28. einen Tiefkurs von 83⅝—84⅜ hatten, stiegen auf 87⅝—88⅜, 36er von 71½—72⅜ auf 77⅛—78⅝, 40er von 67⅛—68 auf 71⅝—73⅛ und 48er von 65¾—66¾ auf 69⅜—70½, also durchschnittlich um 4 %. Von Staatsanleihen waren die 6proz. Badische von 1927 mit 75,25 nach 70,50 und die beiden Thüringischen mit 80 nach 77,60 bzw. 78,50 am kräftigsten erholt; sie haben damit den Stand von Ende April wieder erreicht. Bei den anderen zeigten sich zumeist nur Steigerungen um 1 % und weniger. Provinzialanleihen lagen überwiegend still und sogar noch etwas abgeschwächt. Stadtanleihen waren im allgemeinen um 1—1½ Punkte befestigt.

Bei den Goldpfandbriefen und Gold-Kommunalobligationen war im allgemeinen nur ein Stillstand der Abwärtsbewegung festzustellen. Die Kurserhöhungen hielten sich in engem Rahmen und es standen ihnen auch noch kleinere Kurssenkungen gegenüber. Nur bei den landschaftlichen Pfandbriefen waren stärkere Kurserhöhungen von 1—2 % zu beobachten.

Eine geradezu stürmische Hausse entwickelte sich in Aufwertungspapieren, vor allem in Liquidationspfandbriefen. Die Liqu. der Preuß. Centrallandschaft stiegen von 63¼ auf 70, der Schles. Landsch. von 63½ auf 69, ihre Anteilscheine von 21¼ auf 25 und die Abfindungs-Pf. der Ostpr. Landsch. von 63 auf 68. Die Liqu.-Pf. der privaten Hypothekenbanken stiegen um 2—4 %, am stärksten die der Centralboden, der Preuß. Hyp. und der Preuß. Pfandbr.-Bk. Die letzteren stellen sich z. B. auf 76½ gegen 72½ in der Vorwoche und 74¼ zu Ende April, 80 % zu Ende 1928. Unter den Industrie-Aufwertungs-Obligationen stiegen die der Neckar-A.-G. von 68 auf 72, Gebr. Körting von 82,6 auf 85 sowie um 2 % und darüber AEG Ser. 5—8, Constantin d. Große, El. Lieferung, Laurahütte und Schles. El. u. Gas.

Sehr fest waren auch neue Industrie-Obligationen, vor allem die 6prozentigen: Daimler-Benz mit 73,75 nach 67, Krupp RM-Anl. mit 75,50 nach 71, Min. Achenbach mit 75 nach 70. Hanomag, Thür. E. L. G., Mont Cenis waren 3 % höher. Von Obligationen mit Optionsrecht hatten Concordia Bergb. eine Steigerung von 3 %, Mitteld. Stahlw. von 5 % und Stahlverein von 5½ %. Ebenso stellten sich convertible Bonds entsprechend den Aktienkursen wesentlich höher: Rheinstahl auf 105½ nach 92½, Harpener auf 146½ nach 134 bzw. 129 vor 14 Tagen und Farben-Bonds auf 138 nach 130.

## Ausländische Renten

| | Währung | Zinsfuß in % | Kurse Höchst 1927 | Höchst 1928 | Tiefst 1928 | 31.12. 1928 | 29. 5. 1929 | 5. 6. 1929 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Bosnische Eisenb. 1914 . | M | 5 | 48,50 | 48,50 | 31,00 | 42,50 | 30,00 | 34,00 |
| Rumän. Gold-Anl. 1913 . | M | 4½ | 24,75 | 24,75 | 13,00 | 13,62 | 16,38 | 17,25 |
| Türk. Bagdadbahn Ser. 1 | M | 4 | 29,00 | 29,00 | 13,25 | 14,00 | 8,50 | 9,00 |
| Ung. Goldr. (Caisse C.) .. | fl. | 4 | 25,70 | 25,70 | 20,62 | 24,50 | 22,25 | 22,60 |
| Budap. Stadtanl. 1914 abg. | M | 4½ | 64,75 | 64,75 | 53,50 | 57,12 | 56,25 | 57,90 |
| Mex. Bewäss.-Anl. abg. . | M | 4½ | 38,87 | 37,75 | 25,25 | 26,00 | 17,50 | 18,75 |
| Öst.-Ug. Staatsb. Goldpr. | M | 4 | 15,75 | 15,75 | 4,50 | 4,75 | 3,80 | 3,85 |
| Eils. Westb. stfr. G. 1890 | b. fl. | 4 | 44,50 | 44,50 | 34,50 | 39,50 | 43.63 | 43,70 |
| Lembg.-Czern. steuerfrei . | b. fl. | 4 | 26,00 | 26,00 | 10,10 | 11,10 | 9,20 | 9,25 |
| Anat. Eisenb. Ser. I k. gr. | M | 4½ | 33,40 | 33,40 | 16,75 | 18,87 | 18,60 | 19,90 |
| Arbed (Aciéries Réunies). | $ | 5¼ | 94,00 | 9400 | 89,75 | 92,50 | 100,88 | 100,75 |

Auch der Auslandsrentenmarkt war diesmal angeregt und zeigte fast durchweg höhere Kurse. Am stärksten sind Bosnier gestiegen. Zwischen dem ungarischen Finanzministerium und den Gläubiger-Schutzverbänden Deutschlands, Hollands und der Schweiz ist eine Verständigung über die Einlösung der Zinsrückstände getroffen worden: die vor dem 26. 7. 21 fällig gewordenen Kupons der 4 % Ungar. Goldr., der 4½ % Rente von 13 und 14, die vor dem 1. 7. 19 fällig gewordenen Kupons der 4 % Staatsrente von 1910 und der 3 % Eiserne Tor von 95, soweit sie damals nicht verjährt waren, werden in 6 % Ungar. Staatskassenscheine auf Schweizer Währung umgetauscht. Größere Steigerungen zeigten auch die kleinen Rumänen: 5 % von 1903 von 8,8 auf 10,5, sowie türkische Renten: Zolltürken von 8,8 auf 9⅝. Auch Stadtanleihen waren befestigt: Lissaboner von 12,50 auf 14, Sofia von 12⅞ auf 14,25. Anatolier stiegen um etwa 1 Punkt, Elisabeth Westbahn von 1883 auf 2,15 nach 1,85.

## GELD- UND DEVISENMARKT

Der Maiultimo ist über Erwarten gut abgelaufen. Die Reichsbank hat die Kreditrestriktion gelockert und die Kapitalanlage um RM 641 Mill., also in dem zum Monatsende üblichen Ausmaß anwachsen lassen. Damit hat zwar die Kapitalanlage einen Höchststand erreicht, der noch um 70 Mill. über den des Aprilultimo hinausgeht. Das Wechselportefeuille stellt sich nach einem durchaus normalen Ultimozugang von 457 Mill. (Ende April 551 Mill., Ende Mai 1928 434 Mill.) sowie einem Zugang von 27 Mill. Reichsschatzwechseln auf über 3 Milliarden, worunter freilich 145 Mill. Reichsschatzwechsel sind. Auch das Lombardkonto ist mit einem Zugang von 158 Mill. wieder auf 275 Mill., also fast auf die Aprilhöhe, angeschwollen. Trotzdem ist diesmal die Zunahme ohne Bedenken; denn dem um 656 Mill. (Ende April um 760, Ende Mai v. J. um 701) erhöhten Notenumlauf von 5097 Mill., der etwas niedriger als im Vormonat und etwas höher als im Vorjahr ist, steht infolge des Zugangs an Deckungsdevisen, der in der letzten Maiwoche allein 153 Mill. betrug, eine Gold- und Devisendeckung von 40,5 % gegenüber. Die gesetzliche Deckung der Reichsbanknoten allein erscheint mit 44,8 % sogar reichlich. Die Größe der Giroguthaben, die sich in der letzten Maiwoche kaum verändert haben und um rd. 100 Mill. über denen des Vormonats und des Vorjahrs liegen, dürfte in den erhöhten Beständen des Reparationsagenten ihre Erklärung finden.

Da für die Reichsbank keine akute Gefahr mehr besteht, hat sie auch nach dem Ultimo die Schraube der Kreditrestriktion nicht angezogen und sich bei dem Ersatz der fällig gewordenen Wechsel, deren Laufzeiten übrigens durchaus nicht kurzfristiger als sonst sein dürften, im allgemeinen nicht ablehnend verhalten. Damit scheint man allmählich wieder zu den früheren Zuständen zurückzukehren. Das Verbot der Überschreitung normaler Kreditkontingente kann man kaum mehr als Restriktionsmaßnahme bezeichnen. Freilich dürfte sich die Erleichterung mehr in Berlin als in der Provinz zeigen, zumal schon bisher die Großbankfilialen ihr Wechselmaterial durch die Zentralen der Reichsbank zugehen ließen. Man darf wohl damit rechnen, daß sich in der ersten Juniwoche eine natürliche Entlastung des Reichsbankstatus zeigt, nachdem, wie üblich, am 1. das Institut noch etwas stärker in Anspruch genommen war. Vor allem dürften sich wohl die Lombards erheblich vermindert haben, während die Deckungsdevisen weitere Zugänge aufweisen mögen. Die Situation ist unter diesen Umständen durchaus günstig, und die Epoche der Kreditrestriktion dürfte sang- und klanglos ohne Diskonterhöhung in den Normalzustand übergehen.

Die Erhöhung der Bankzinsen ist zwar im ganzen Reich vom 1. Juni ab in Kraft getreten. Nur die Reichskreditgesellschaft hat die Habenzinsen ebenfalls erhöht, aber die Steigerung der Sollzinsen abgelehnt. Bei der Seehandlung sind im Verkehr mit Banken und Bankiers die Sätze für tägliche Gelder auf 6 % und, falls sie über den Ultimo Juni bei der Staatsbank stehen bleiben, vom 5. Juni ab um 1/8 auf 8 % erhöht worden. Für Termingelder gelten folgende Richtsätze: Einlagen auf 1 Monat fest 8 3/8 % (bisher 8), auf 2 Monate fest 8½ % (bisher 8¼), auf 3 Monate fest 8 5/8 % (bisher 8½). Für Darlehen auf 1 Monat fest mit dem Recht jederzeitiger Einzahlung werden im Debet 10¼ % statt 9½ %, in Kredit 7¼ % statt 6½ % berechnet.

Indessen hat sich die Situation am Geldmarkt seit dem Ultimo ebenfalls entspannt. Tagesgeld, das am Ultimo 9½—11½ % gekostet hatte, sank bis zum 5. auf 6¾—9½ %. Auf dem Privatdiskontmarkt war das Angebot sehr gering. Auch stellte sich wieder private Nachfrage ein, so daß die Reichsbank keine Repartierung vorzunehmen brauchte und im Durchschnitt wohl nur etwa 5 Mill. aufgenommen haben mag. Da die Banken nach dem Ultimo wieder flüssig sind, brauchte die Reichsbank zeitweilig kaum in Erscheinung zu treten. Selbst für bankgirierte Warenwechsel zeigte sich wieder Interesse bei einem Satz von etwa 8½ %. Nur Monatsgeld blieb mit 10—11 % fast die ganze Zeit über unverändert hoch, wobei freilich zu berücksichtigen ist, daß der nächste Ultimo als Halbjahrsabschnitt wieder größere Anforderungen als der Maiultimo stellen mag. Indessen zeigte sich zum Schluß der Berichtswoche auch für Monatsgeld eine geringe Entspannung. Die Reportsätze Berlin gegen Kabel sind immer noch hoch, doch zeigt sich dabei schon etwas mehr Angebot für Dreimonatsgeld. In Leihdevisen tritt sogar starkes Angebot in Erscheinung.

Die Situation am Devisenmarkt hat sich insofern verändert, als das drängende Angebot jetzt einem normalen gewichen ist, so daß sich das Geschäft wieder in engen Grenzen hält. Der Kurs der Reichsmark stellte sich unverändert hoch. In Berlin notierten in Reichsmark pro Währungseinheit:

| | 2. 1. | 26. 4. | 13. 5. | 23. 5. | 29. 5. | 5. 6. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Pfund . . . | 20,387 | 20,472 | 20,463 | 20,368 | 20,336 | 20,336 |
| Dollar . . . | 4,2025 | 4,2180 | 4,2175 | 4,2010 | 4,1930 | 4,1940 |

Das Pfund lag international wieder sehr flau und war auch am 5. nach einer geringen Erholung nur 4,8490 gegen den Dollar. Besonders schwach ist die spanische Peseta, die sich in Berlin am 4. sogar auf RM 58,10 stellte gegen RM 59,14 in der Vorwoche.

| In Millionen Reichsmark | Diskontsatz % | Lombardsatz % | Goldbestand insgesamt | Goldbestand Davon unbelastetes Depot im Ausland | Bestände an deckungsfähigen Devisen | Bestände an Wechsel und Schecks | Bestände an Reichsschatzwechsel | Bestände an Lombardforderungen | Bestände an Scheidemünzen | Bestände an Rentenbankscheinen (1913: Reichskassenscheine) | Bestände an Noten der Privatnotenbanken | Sonstige Aktiva (ohne Rentenbankscheine) | Umlauf an Reichsbanknoten | Täglich fällige Verbindlichkeiten[1] | Sonstige Passiva | Notendeckung durch Gold % | Notendeckung durch Gold u. deckungsfähig. Devisen % | Umlauf an Rentenbankscheinen[2] | Umlauf an Privatbanknoten | Umlauf an Scheidemünzen | Gesamter Zahlungsmittelumlauf rund |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1913[3]) | 5,88 | 6,88 | 1068 | — | — | 1136 | — | 85,5 | 283,1 | 32,2 | 26,9 | 206,5 | 1958 | 668,0 | 58,6 | *54,5* | — | 88 | 149 | 890 | 6000 |
| 1927 31. Mai | 5 | 7 | 1816 | 69,1 | 78,6 | 2421 | — | 71,6 | 97,5 | 39,7 | 8,6 | 404,6 | 3719 | 699,8 | 245,2 | *48,8* | *50,9* | 1033 | 186 | 723 | 5661 |
| 1928 15. Mai | 7 | 8 | 2041 | 85,6 | 212,9 | 1986 | 0,6 | 59,7 | 82,0 | 60,1 | 23,4 | 506,3 | 3987 | 463,5 | 208,2 | *51,2* | *56,5* | 566 | 182 | 867 | 5602 |
| 23. „ | 7 | 8 | 2041 | 85,6 | 229,5 | 2035 | 0,1 | 27,4 | 91,2 | 60,0 | 27,6 | 493,7 | 3822 | 675,1 | 195,7 | *53,4* | *59,4* | 550 | 180 | 863 | 5415 |
| 31. „ | 7 | 8 | 2041 | 85,6 | 274,1 | 2469 | — | 43,0 | 76,0 | 23,8 | 9,5 | 642,9 | 4487 | 581,5 | 197,9 | *45,5* | *51,6* | 586 | 185 | 883 | 6141 |
| 7. Juni | 7 | 8 | 2041 | 85,6 | 266,9 | 2238 | — | 21,6 | 80,8 | 47,2 | 17,9 | 555,2 | 4218 | 532,7 | 204,8 | *48,4* | *54,7* | 563 | 182 | 880 | 5843 |
| 1929 30. April *) | 7½ | 8½ | 1892 | 172,7 | 99,4 | 2790 | 136,4 | 262,1 | 134,5 | 8,8 | 7,2 | 526,6 | 4631 | 585,1 | 290,6 | *40,8* | *43,0* | 489 | 185 | 950 | 6256 |
| 7. Mai | 7½ | 8½ | 1766 | 59,9 | 53,6 | 2783 | 201,9 | 208,7 | 127,9 | 42,1 | 16,2 | 471,9 | 4442 | 584,8 | 294,8 | *39,7* | *41,0* | 456 | 182 | 956 | 6036 |
| 15. „ | 7½ | 8½ | 1765 | 59,3 | 56,1 | 2568 | 103,3 | 216,5 | 141,9 | 48,9 | 22,5 | 539,9 | 4167 | 648,5 | 297,7 | *42,3* | *43,7* | 449 | 181 | 943 | 5741 |
| 23. „ | 7½ | 8½ | 1765 | 59,1 | 146,5 | 2403 | 118,2 | 97,2 | 154,2 | 63,2 | 25,0 | 526,3 | 4006 | 642,3 | 300,5 | *44,0* | *47,7* | 435 | 177 | 933 | 5551 |
| 31. „ | 7½ | 8½ | 1765 | 59,1 | 299,1 | 2860 | 144,8 | 254,8 | 108,1 | 7,1 | 1,6 | 451,6 | 4606 | 628,2 | 307,6 | *38,3* | *44,8* | 491 | ca 188 | ca 980 | ca 6265 |

[1]) Staatl. u. priv. Guthaben einschl. Reparat.-Agt. — [2]) 1913: Reichskassen-Scheine. — [3]) Jahresdurchschnitt — [4]) Einschl. der Bestände der Reichsbank.
*) ab 25. 4.

## DIE KAPITALERHÖHUNG DER RHEINISCHEN RBAUNKOHLENGESELLSCHAFT

Die Rheinische A.-G. für Braunkohlenbergbau hat sich endlich entschlossen, ihren Aktionären über die seit Jahren unveränderte 10proz. Dividende hinaus eine Zuwendung zukommen zu lassen. Die bisherigen sehr lückenhaften Mitteilungen geben jedoch zu ernsten Fragen Anlaß. Die Verwaltung plant die Umwandlung der 7,2 Mill. Vorzugsaktien „gegen Zuzahlung" in Stammaktien. Das Stammkapital soll weiter von 67,2 auf 80 Mill. erhöht werden, wobei ein Bezugsrecht von 10 : 1 gegeben wird. Wenn die Umwandlung der Vorzugsaktien nur einen Weg für die Abschaffung dieses kaum notwendigen Schutzinstruments darstellt, so ist sie gewiß zu begrüßen, zumal eine Opposition gegen die bewährte Leitung des Unternehmens kaum zu besorgen ist. Aber die Zuzahlung müßte in diesem Fall sehr erheblich sein, denn der Unterschied zwischen Vorzugs- und Stammaktien erschöpft sich ja bei weitem nicht in der Verschiedenheit der Dividenden (6 % bei den V.-A. und zuletzt 10 % bei den St.-A.). Wenn man von den Stimmrechtsbestimmungen absieht, so sind die Vorzugsaktien als ein festverzinsliches Papier zu betrachten, das faktisch weder an der Substanz noch an der Entwicklung der Gesellschaft teilzunehmen berechtigt ist, während als Maßstab des Wertes der Stammaktien der innere Wert zu gelten hat (wobei der Außenstehende nicht ganz zu entscheiden vermag, wie weit dieser über oder unter dem Tageskurs liegt). Ebensowenig wie die bisherige Veröffentlichung über die Umwandlung der Vorzugsaktien befriedigt der zweite Teil des Kommuniqués. Die umgewandelten Vorzugsaktien scheinen ebenso wie die alten Stammaktien das Bezugsrecht auf die jungen erhalten zu sollen. In diesem Fall wären dafür 6,72 Mill. Aktien notwendig, es blieben also noch über 6 Mill. Vorratsaktien zur Verfügung der Gesellschaft. Es ist denkbar, daß sich die Verwaltung von Rheinbraun Vorratsaktien bewilligen lassen will, um bei künftigen Transaktionen mehr Bewegungsfreiheit zu haben oder sie für künftige Bezugsrechte zu reservieren. Das Recht der Aktionäre, ihren bisherigen Anteil an der Substanz des Unternehmens zu bewahren, muß aber unter allen Umständen respektiert bleiben. Eine Verwaltung wie die von Rheinbraun, die ein hohes Prestige einzusetzen hat und der man eben deshalb gern in ihrer bisherigen Thesaurierungspolitik gefolgt ist, sollte darüber keine Zweifel aufkommen lassen.

### CASTIGLIONI UND DIE BMW

Nachrichten über finanzielle Schwierigkeiten von Camillo Castiglioni und über eine Änderung seines Verhältnisses zu den Bayerischen Motoren-Werken häufen sich seit kurzem wieder in der deutschen Presse. Castiglioni selbst hat eine Erklärung abgegeben, in der er formell dementiert, daß „Unterhandlungen gepflogen worden sind, den Besitz meiner Gruppe an BMW-Aktien zu verkaufen". Das Verhältnis von Castiglioni zur BMW und zu den patronisierenden Banken ist aber viel zu kompliziert, als daß es durch das kurze Dementi erledigt werden könnte. In Wirklichkeit dürften die Verhältnisse etwa so liegen: Castiglioni besaß noch im vergangenen Jahr über 40 % des BMW-Kapitals von RM 16 Mill. In der Beurteilung dieser Aktien und auch der im Herbst vorigen Jahres durchgeführten Übernahme der Dixi-Werke durch die BMW war er stets äußerst optimistisch. Um die Transaktion BMW—Dixi zu erleichtern, dürfte er beim Kauf eine relativ selbständige Mittlerstellung gespielt haben, er hat die von der BMW eingegangene Garantie von 250 % für die BMW-Aktien von der Gesellschaft abgelöst. Der Kaufpreis für die Dixi-Werke betrug neben den 11 Mill. von Dixi übernommenen Schulden 0,8 Mill. BMW-Aktien, für die infolge der Garantie der Verkäufer (Gothaer Waggon-Disconto) einen Mindestpreis von RM 2 Mill. erzielen konnte. Im laufenden Jahr hat die Disconto-Gesellschaft von der Garantie Gebrauch gemacht und die Aktien zurückgeliefert. Castiglioni hat damit einen theoretischen Verlust in Höhe des Kursrückgangs erlitten (also etwa 120 % auf 0,8 Mill. Aktien), wahrscheinlich aber infolge anderer Hausseengagements in BMW-Aktien noch wesentlich mehr eingebüßt. (Er hat wohl die der Disconto-Gesellschaft gegebenen Aktien gedeckt und noch weitere Aktien hinzugekauft, um seinen Einfluß bei der BMW nicht zu vermindern und den Kurs zu halten.) Da man nicht annehmen kann, daß er seit der 1924/25 vollzogenen Liquidation seines einst großen Vermögens über weitere große flüssige Mittel verfügt, hat er sich offenbar die notwendigen Summen durch Lombardierung seiner BMW-Aktien beschafft. Die Lombardschulden laufen bei verschiedenen Banken. Es wäre erstaunlich, wenn der Belehnungswert bei einigen Krediten nach dem starken Kursrückgang der Aktien nicht schon dem Tageskurs sehr nahe gerückt wäre. Unter diesen Umständen trifft es allerdings zu, daß die Aktien sich im Besitz von Castiglioni befinden, die Verfügungsmacht haben aber praktisch die Banken, mindestens bis es ihm gelingt, sich neue Mittel zu beschaffen. Ob und in welcher Weise die Banken in der Zwischenzeit von ihrer Verfügungsmacht Gebrauch machen, darüber besteht noch keine Klarheit. Daß Castiglioni den stellvertretenden Vorsitz im BMW-Aufsichtsrat abgegeben hat, könnte dafür einen Fingerzeig bieten. Aber natürlich muß inzwischen das ungeklärte Schicksal eines so großen Paketes auf den Kurs der Aktien drücken, den man vergeblich durch die Deklarierung einer für das laufende Jahr nicht haltbaren Dividende zu stützen versucht hat. Im übrigen verweisen wir auf die Bilanzanalyse an anderer Stelle dieses Blattes.

### BURBACH-DIVIDENDE UND OPPOSITION

Die erste Bilanz der Burbach-Kaliwerke A.-G., in der sich 4 Aktiengesellschaften und 24 Gewerkschaften der Kalikonzerne Burbach und Gumpel zusammengeschlossen haben, trägt noch ausgesprochenen Interimscharakter. Da bei 14 von den Gewerkschaften Anfechtungsklagen gegen die Fusionsbeschlüsse schweben, erscheinen die Besitztitel dieser Konzernteile noch nicht auf den Anlagekonten der Einheitsgesellschaft, sondern als Beteiligungen. Auch auf die Gewinnresultate hat diese Rechtslage Einfluß: die beklagten Gewerkschaften dürfen vorläufig keine Gewinne ausschütten. Wenn Burbach trotzdem in der Lage ist, auf das Aktienkapital von RM 125 Mill. eine 12prozentige Dividende zu zahlen, so nur deshalb, weil Sondergewinne aus dem recht einträglichen Verkauf der Wintershall-Kuxe durch Krügershall, die Rechtsvorgängerin von Burbach, die regulären Einnahmen ergänzten. Geheimrat Korte, der autokratische Leiter des Konzerns, hat in der Burbach-Generalversammlung auch diesen Sachverhalt geschildert, aber zugleich erklärt, die Gesellschaft sei in Zukunft auf derartige Ausnahmegeschäfte nicht mehr angewiesen, da allein die Zinserträgnisse aus den großen Außenständen für mehr als das halbe A.-K. eine 12prozentige Dividende decken würden (die Gesellschaft hat aus den Verschachtelungstransaktionen der letzten Jahre an die Gewerkschaft Burbach, die als Holdingunternehmen für das halbe Kapital fungiert, eine Forderung von RM 106 Mill., die diese zum Reichsbankdiskontsatz im Jahresdurchschnitt verzinsen muß). Deshalb könnten die Aktionäre für die nächsten Jahre mit einer Mindestdividende von 10 % rechnen, ja, die Aufrechterhaltung des 12prozentigen Satzes sei wahrscheinlich. Im übrigen scheinen die Anfechtungsklagen die Durchführung der Tauschoperationen kaum zu beeinflussen: 38½ Mill. Burbach-Aktien sind für das ganze Geschäft nötig, nur RM 0,46 Mill. entfallen auf die noch nicht eingetauschten Werte der beklagten Gewerkschaften, also nur wenig mehr als 1 % des Gesamtbetrags. Aber die Opposition bleibt hartnäckig und kündigt Durchfechtung bis zur letzten Instanz an. Es können also noch Jahre vergehen, bis bei Burbach eine normale Bilanzgestaltung erreicht wird. Die Verwaltung tat allerdings auch nichts, um diesen Zustand zu beenden, sie bleibt in jeder Hinsicht unnachgiebig, und ihre Publizität widerspricht den geringsten Anforderungen der unabhängigen Aktionäre. Bei der überaus komplizierten Struktur des Konzerns — die wohl nicht unabsichtlich gewählt wurde — wäre aber erhöhte Publizität am Platz.

### GEWINNSTEIGERUNG DER INTERNATIONAL MATCH

Wie ihre Muttergesellschaft, die Schwedische Zündholz-A.-G., weist die International Match Corp. für 1928 einen stark gestiegenen Reingewinn aus, aber die Dividendensätze bleiben auch bei diesem Unternehmen unverändert. Der Dividendenbetrag steigt hier wie dort, weil ein größeres Kapital an der Dividende teilnimmt, und der Vortrag wird erhöht. Der Reingewinn der International Match beträgt $ 19,1 Mill. gegen 16,6 im Vorjahr, pro Aktie hat also das Unternehmen 8,12 gegen 7,07 verdient. Ausgeschüttet wird davon nur ein relativ kleiner Teil, nämlich $ 3,20 pro Aktie. $ 47,25 Mill. Vorzugsaktien der Gesellschaft mit einem Nennwert von $ 35 sind im Umlauf, so daß die Dividende eine Verzinsung von 9,14 % bedeutet (Kurs 230 %). Die 1 Mill. Stück nennwertlosen Stammaktien im Besitz der Svenska erhalten dieselbe Dividende, der schwedischen Muttergesellschaft fließen also für 1928 $ 3,2 gegen 2,4 Mill. im Vorjahr zu. Die gesamten Dividenden beanspruchen 7½ Mill. und damit wenig mehr als ein Drittel des Reingewinns, 11,6 Mill. werden dem Surplus überwiesen (im Vorjahr 9,9 Mill.). Der Bericht der International Match schildert die in den verschiedensten Ländern der Welt zunehmende Tendenz zu eigener Versorgung. Wegen Zollerhöhungen oder unter indirektem Druck der Regierungen mußte der Konzern in verschiedenen Ländern neue Fabriken errichten und die Importe einstellen. Diese Tendenz wird durch den neuen amerikanischen Zolltarif eine Verschärfung erfahren. Nach endgültiger Annahme des neuen Gesetzes wird der Konzern in verstärktem Umfang in den Vereinigten Staaten selbst fabrizieren. Die Zündholzpreise seien auf den freien Märkten im Steigen begriffen, die russische Ausfuhr rufe nur an wenigen Märkten Störungen hervor.

## CITYBRIEF

*Von unserem Korrespondenten*

London, den 4. Juni 1929

Während die Gefahr einer Rediskonterhöhung in New York wieder beseitigt scheint, wurde der Geldmarkt durch die Unterhauswahlen zur Zurückhaltung gezwungen. Kurz nach Bekanntwerden des Sieges der Arbeiterpartei war die Stimmung in der konservativen City ziemlich gedrückt. Aber die City hat sich bereits jetzt mit dem politischen Umschwung abgefunden, wozu nicht zuletzt beiträgt, daß sie zu dem vermutlichen Nachfolger Churchills, Philipp Snowden, nach dessen Schatzkanzleramt im Jahr 1924 großes Vertrauen hat. Die Angst vor der Arbeiterregierung hat also diesmal nur kaum merkliche Folgen, im Gegensatz zu der Zeit vor dem Amtsantritt des ersten Kabinetts Macdonald. Zur jetzigen zuversichtlichen Stimmung trugen verschiedene günstige Faktoren bei: Erstens die Einigung bei den Reparationsverhandlungen in Paris und zweitens der feste Status der Bank von England. Die Reserve der Bank erreichte nach ihrem letzten Wochenausweis mit £ 63 Mill.

eine Rekordhöhe seit 1915, und ihr Goldbestand ist seit der Diskonterhöhung im Februar immerhin um über £ 14 Mill. gestiegen. Allerdings bleibt der Pfundkurs sehr schwach, und die Gefahr der Goldabflüsse besteht weiter. So konnte auch von den heute auf dem freien Londoner Markt erhältlich gewesenen £ 850 000 südafrikanischen Barrengoldes die Bank von England nur £ 278 000 aufnehmen, während der Rest von dem „unbekannten Käufer" erworben wurde. Dem Dollar gegenüber steht der Pfundkurs zur Zeit mit 4,84⅞ auf dem Goldausfuhrpunkt und der Reichsmark gegenüber mit 20,33½ sogar weit unter ihm. Die Festigkeit der Mark ist während der letzten Tage infolge neuer nach Deutschland gegebener Wechselkredite besonders hervorstechend gewesen.

Trotzdem hat sich der Privatdiskontmarkt abgeschwächt, nachdem sich die Sätze in der vorigen Woche dem offiziellen Diskontsatz genähert hatten. Zuletzt wurden kurzfristige Wechsel zu 5¼ % umgesetzt, während Dreimonats- und Sechsmonatsbankwechsel $5^{5}/_{16}$ bzw. $5^{7}/_{16}$ % notierten. Tagesgeld ist jetzt nach Überwindung des Monatsultimos flüssiger geworden, und Ausleihungen waren während der letzten zwei Tage meist zu 4¼ bis 4½ % erhältlich. — Während der Wahlzeit blieb der Londoner Kapitalmarkt gänzlich inaktiv. Teilweise mag hierzu auch der Mißerfolg der letzten Emissionen beigetragen haben, der nicht allein auf die Zurückhaltung des Investitionsinteresses infolge der politischen Unsicherheiten, sondern auch allgemein auf die größere Interessenlosigkeit während der Sommermonate zurückzuführen ist. Unter anderem mußten die „Unterzeichner" von der £ 12-Mill.-Anleihe des australischen Bundes 48 % und von der 3 Mill.-Anleihe des Central Electricity Board sogar 79 % übernehmen.

Nach den Wahlunsicherheiten und der leichten Erschütterung, die der Sieg der Arbeiterpartei verursacht hat, ist auch an der Stock Exchange die Stimmung wieder zuversichtlicher geworden. Allerdings ist in dem Umfang der Geschäftstätigkeit immer noch eine große Vorsicht zu erkennen. Britische Staatspapiere, die zunächst auch durch die neue Erkrankung des Königs ungünstig beeinflußt worden waren, sind jetzt wieder fester. So sind im Verlaufe der Berichtswoche die 5proz. Kriegsanleihe von $100^{11}/_{16}$ auf 101½ und die 4proz. Victory Bonds von 91¾ auf 92½ gestiegen. Auf dem Markt für ausländische Anleihen waren deutsche Werte unverändert. Von den Industrieaktien sind hingegen anglo-amerikanische Spezialitäten immer noch ziemlich unsicher, da sich die Amerikaner in ihren Transaktionen besonders leicht von politischen Unsicherheiten beeinflussen lassen. Columbia Graphophone sind von 14¾ auf 14⅝ zurückgegangen, während Gramophone-Aktien von $16^{15}/_{16}$ auf $17^{3}/_{16}$ gestiegen sind. General Electric fielen von 53 auf 52/6 und Imperial Chemicals von 35/10 auf 35/7½, während Margarine Unie sich von 87/9 auf 92/3 erhöht haben. Schwächer sind auch zunächst die Aktien derjenigen Industrien gewesen, die durch Zölle geschützt sind, da noch kurz vor den Wahlen Macdonald die Absicht eines vollkommenen Abbaues aller protektionistischen Maßnahmen angekündigt hatte. Jedoch sind auch bei diesen Kursen zuletzt einige Erholungen zu verzeichnen gewesen. Die Märkte für Petroleumaktien, Bergwerksaktien und Gummiaktien sind im wesentlichen sehr ruhig geblieben. Nur bei südafrikanischen Kupferwerten war weiterhin größeres amerikanisches Kaufinteresse zu erkennen.

## BANK VON ENGLAND

| In Millionen Lst. | Bankdiskont % | Metallbestand insgesamt | Staatspapiere in der Notenausgabeabteilung[1] | Staatspapiere in der Bankabteilung | Sonstige Anlagen in der Notenausgabeabteilung | Sonstige Anlagen in der Bankabteilung, davon Wechsel und Vorschüsse | Sonstige Anlagen in der Bankabteilung, davon sonstige | Depositen in der Bankabteilung und zwar staatliche | Depositen: private, davon Banken | Depositen: private, davon sonstige | Notenumlauf[2] | Barreserve | Verhältnis der Barreserven zu den Depositen |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1913[3] | 4,77 | 37,5 | — | 12,7 | — | 32,8 | | 13,3 | 41,5 | | 28,7 | 27,2 | 49,8 |
| 23. 5. 1928 | 4½ | 162,2 | — | 29,6 | — | 59,9 | | 13,1 | 100,5 | | 369,6 | 46,9 | 41,3 |
| 30. 5. 1928 | 4½ | 162,9 | — | 29,0 | — | 54,0 | | 22,3 | 89,6 | | 373,4 | 46,7 | 41,7 |
| 1. 5. 1929 | 5½[4] | 163,6 | 235,8 | 45,4 | 8,4 | 9,3 | 15,8 | 10,9 | 60,7 | 38,5 | 361,4 | 57,4 | 52,1 |
| 8. 5. 1929 | 5½ | 165,7 | 236,2 | 39,8 | 8,0 | 11,6 | 15,7 | 8,7 | 63,2 | 35,5 | 362,8 | 58,1 | 54,1 |
| 15. 5. 1929 | 5½ | 166,7 | 236,2 | 37,8 | 8,0 | 9,6 | 17,7 | 9,3 | 61,1 | 36,1 | 362,8 | 59,1 | 55,5 |
| 22. 5. 1929 | 5½ | 167,6 | 236,2 | 38,5 | 7,9 | 6,9 | 20,1 | 15,3 | 57,5 | 35,3 | 362,4 | 60,4 | 55,9 |
| 29. 5. 1929 | 5½ | 168,1 | 236,2 | 40,0 | 7,9 | 8,2 | 22,4 | 24,3 | 56,3 | 35,3 | 360,1 | 63,2 | 54,5 |

[1]) Bis 21. 11. 1928 im Ausweis der Currency Notes veröffentlicht. — [2]) Bis 21. 11. 1928 bestehend aus Noten der Bank von England plus Currency-Noten minus der Noten der Bank von England, die als Deckung für die Currency-Notes dienen. — [3]) Jahresdurchschnitt. — [4]) Seit 7. 2. 29.

## PARISER BÖRSE

*Von unserem Korrespondenten*

Paris, den 4. Juni 1929

Der Markt stand in der vergangenen Woche weiter im Zeichen einer starken Zurückhaltung von Publikum und Spekulation, die erst zu Beginn der neuen Woche einer gewissen Belebung Platz machte. Vor der Ultimo-Liquidation waren natürlich die Umsätze etwas geringer, für die Gestaltung der Tendenz waren aber vor allem zwei politische Ereignisse bestimmend: Die Einigung zwischen den Reparationssachverständigen und die englischen Wahlen. Der Erfolg der Arbeiterpartei wurde nur in den ersten Tagen pessimistisch kommentiert.

Der Geldmarkt blieb auch zum Monatswechsel durchaus flüssig. Der Geldbedarf am Ultimo konnte mühelos befriedigt werden und die Sätze für Tagesgeld gingen nach einem kurzen Anziehen auf 3½ % sofort nach Überwindung des Ultimos auf 3 % zurück. Der Privatdiskontsatz hat sich unverändert auf $3^{3}/_{8}$ bis $3^{7}/_{16}$ % gehalten.

Auch die Bilanz der Bank von Frankreich wies in ihrem letzten Ausweis vom 24. Mai einen durchaus normalen Charakter auf. Die Goldreserve ist wieder um Fr. 56 Mill. gestiegen, denen ein Devisenabfluß von nur 42 Mill. gegenübersteht. Es scheint, daß der starke Devisenbedarf, den die in den ersten vier Monaten um etwa Fr. 4 Milliarden passive Handelsbilanz zur Folge haben muß, bisher aus anderen Aktivposten der Zahlungsbilanz abgedeckt werden konnte.

Auf dem französischen Kapitalmarkt erwartet man in kurzer Zeit größere Transaktionen. Von inländischen Anleihen steht vor allem die Auflegung der großen Kolonialanleihe in Höhe von Fr. 3 Milliarden oder einer Tranche davon bevor, ferner rechnet man mit Auflegung von Anleihen der großen Eisenbahnen, des Credit Foncier, der Stadt Paris usw. Ernsthaft beginnt man sich auch mit der Frage der Mobilisierung der deutschen Reparationsschuld zu befassen, an welcher Transaktion Frankreich wohl der bedeutendste Anteil zukommen würde. Die Auflegung von Emissionen deutscher Privatgesellschaften, von der man im Hinblick auf

| | 2. 1. 29 | 21. 5. 29 | 27. 5. 29 | 3. 6. 29 |
|---|---|---|---|---|
| 3 % Staatsrente | 66,90 | 75,1 | 74,10 | 74,40 |
| 4 % Rente von 1918 | 81,60 | 89,7 | 88,60 | 88,55 |
| 5 % Rente von 1920 | 110,35 | 124,65 | 124,20 | 125,10 |
| Banque de France | 23 700 | 25 950 | 25 425 | 25 790 |
| Crédit Lyonnais | 4 135 | 3 350 | 3 220 | 3 300 |
| Société générale | 1 871 | 1 960 | 1 910 | 1 919 |
| Banque de Paris | 5 200 | 3 450 | 3 310 | 3 335 |
| Eisenbahn Nord | 2 300 | 2 625 | 2 590 | 2 585 |
| Eisenbahn P. L. M. | 1 455 | 1 445 | 1 412 | 1 406 |
| Générale d'Electricité | 4 270 | 3 900 | 3 760 | 3 885 |
| Distribution Parisienne | 2 140 | 2 980 | 2 860 | 2 955 |
| Thomson-Houston | 943 | 1 132 | 1 094 | 1 132 |
| Kohle Courrières | 1 390 | 1 630 | 1 576 | 1 600 |
| Aciéries de Longwy | 2 380 | 2 545 | 2 525 | 2 485 |
| Citroën | 1 800 | 1 947 | 1 852 | 1 924 |
| Kuhlmann | 1 431 | 1 269 | 1 211 | 1 274 |
| Péchiney-Aluminium | 4 190 | 3 915 | 3 820 | 3 920 |
| Kali St. Thérèse | 15 850 | 20 950 | 18 500 | 19 500 |

die Entspannung zwischen Deutschland und Frankreich und auf die Herabsetzung der Steuersätze für ausländische Werte gesprochen hat, dürfte wohl erst in einiger Zeit spruchreif werden.

An der Börse herrschte gegen Wochenschluß und insbesondere zu Beginn der neue Woche eine feste Tendenz vor, doch konnten die Kursverluste der Vortage nur zum Teil aufgeholt werden. Die Ultimoliquidation vollzog sich reibungslos; die Sätze betrugen im Parkett 3¼ %, in der Kulisse 6¾ %. Die Sätze werden jedoch stark von den großen Banken manipuliert und hätten sich angesichts der Flüssigkeit des Geldmarktes im freien Spiel der Kräfte wesentlich niedriger gestellt. Die französischen Renten waren bei geringen Umsätzen im allgemeinen recht gut behauptet. Die Senkung des Landeszinssatzes kommt den Kursen der Staatspapiere in erster Linie zugute. Die Bankaktien konnten sich von den Rückschlägen in der Vorwoche kräftig erholen. Die Eisenbahnaktien waren in der Berichtswoche schwach, einzig Orleans konnte seinen Kurs etwas verbessern. Der Schiffahrtsmarkt war vernachlässigt und die Kurse gaben weiter nach. Die Elektrizitätswerte waren gut erholt, doch blieben die Umsätze nach wie vor sehr gering. Die Aktien der Stahlwerke haben in der vergangenen Woche weiter nachgegeben. Die Gründe für diese Baisse scheinen aber hauptsächlich markttechnischer Natur zu sein, da die Nachrichten aus der Industrie unverändert günstig lauten. Eine recht feste Kursentwicklung wiesen die Aktien der chemischen Industrie auf. Die kürzlich veröffentlichten Jahresabschlüsse der großen Konzerne zeigen eine kontinuierliche Aufwärtsentwicklung und Expansion.

## BANK VON FRANKREICH

| In Millionen Francs [1]) | Bankdiskont % | Goldbestand | Tägliche Guthaben auf das Ausland | Auslandswechsel | Inlandswechsel | Lombard | Vorschüsse an den Staat | Vorschüsse Bons der autonomen Amortisationskasse | Notenumlauf | Fremde Gelder öffentliche Guthaben des Tresors | Fremde Gelder öffentliche Guthaben der Amort.-Kasse | Fremde Gelder private | Deckung der Noten u. fremden Gelder durch Gold [2]) | a vista-Kurs London in Paris |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1913 [3]) | 4 | 3344 | 22 | — | 1634 | 739 | 206 | — | 5667 | 263 | — | 680 | 50,59 | 25,22 [4]) |
| 18. 5. 28 | 3½ [6]) | 5543 | 62 | 13 | 1661 | 1776 | 22900 | 5930 [5]) | 59719 | 59 | — | 8526 | 8,12 | 124,02 |
| 24. 5. 28 | 3½ | 5543 | 61 | 13 | 2040 | 1848 | 22800 | 5930 | 58995 | 180 | — | 10588 | 7,95 | 124,26 |
| 26. 4. 29 | 3½ | 35788 | 8544 | 18539 | 6454 | 2294 | 3200 | 5930 | 62848 | 5568 | 6308 | 7283 | 43,64 | 124,16 |
| 3. 5. 29 | 3½ | 36462 | 8045 | 18372 | 6476 | 2458 | 3200 | 5798 | 63828 | 5333 | 5954 | 7097 | 44,35 | 124,18 |
| 10. 5. 29 | 3½ | 36525 | 7988 | 18387 | 5838 | 2415 | 3200 | 5798 | 63420 | 5362 | 6166 | 6816 | 44,67 | 124,22 |
| 17. 5. 29 | 3½ | 36534 | 7942 | 18400 | 6113 | 2368 | 3200 | 5769 | 62864 | 5635 | 6252 | 6744 | 44,83 | 124,14 |
| 24. 5. 29 | 3½ | 36590 | 7893 | 18406 | 6835 | 2322 | 3200 | 5769 | 62654 | 5821 | 6167 | 7521 | 44,53 | 124,11 |

[1]) Vom 25. 6. 1928 ab in der neuen Währungseinheit: 1 £ = 124,21 Frcs. — [2]) Gesetzlicher Mindestsatz 35 %. — [3]) Jahresdurchschnitt. — [4]) Parität. — [5]) Diskontierte Schatzscheine zum Zwecke eines Darlehns des Staates an verbündete Regierungen. — [6]) Seit 19. 1. 1928; Lombardsatz 5½ %.

## NEW YORKER BÖRSE

In den letzten Tagen des Mai hat sich die Stimmung in Wall Street nicht geändert, bei kleinen Umsätzen blieb die Tendenz unregelmäßig und neigte eher zur Schwäche. Am Montag, den 3. Juni, setzte aber eine Aufwärtsbewegung ein, angeregt durch eine starke Erleichterung am Geldmarkt und durch die Einigung auf der Pariser Reparationskonferenz. Die in New York gehandelten deutschen Bonds sind in den letzten Tagen sehr stark gestiegen, aber auch die amerikanischen Industrieaktien konnten von der „Befestigung des europäischen Friedens" Vorteile erzielen. Dazu kam noch die unerwartete Besserung der Weizenpreise, so daß am Montag und Dienstag das gesamte Kursniveau sich um einige Prozent heben konnte. Am Mittwoch trat allerdings wieder ein kleiner Rückschlag ein, da im Senat in Washington wiederum sehr schwere Vorwürfe gegen die Börsenspekulation erhoben wurden. Diese Angriffe kamen unerwartet, denn das erstemal im laufenden Jahr hatte es in der letzten Woche den Anschein, als ob der New-Yorker Geldmarkt vor einer Beruhigung stünde. Call money notierte während der ganzen Woche 6 und 7 %, auch an den Ultimotagen trat keine Erhöhung der Zinssätze ein, und nichts erinnerte an das frühere stürmische Aussehen des Marktes.

Die Maklerdarlehen ermäßigten sich in der letzten Maiwoche um den relativ großen Betrag von $ 232 Mill.; ihr Stand war mit $ 5288 Mill. der niedrigste seit Dezember vorigen Jahres. Diese wöchentlich erscheinende Statistik der Reservebanken, die nur jene Maklerkredite umfaßt, die durch die Bücher von Mitgliedsbanken gehen, wurde allerdings wenige Tage später teilweise widerlegt. Die monatlich veröffentlichte vollständigere Statistik des Börsenvorstandes über die von den New Yorker Börsenfirmen beanspruchten Kredite zeigt für Ende Mai 1929 einen Stand von $ 6665 Mill. gegen 6775 Ende April und 6804 Ende März (Höchststand). Der Abbau ist also recht klein (Stand vom Januar 6,4 und vom Oktober vorigen Jahres 5½ Milliarden). Nur eine Umschichtung der kreditgewährenden Kreise hat stattgefunden und die Beziehungen von Handel und Industrie (und wohl auch des Auslandes) zu den Maklerfirmen sind bei Ausschaltung der New Yorker Banken inniger geworden.

Das große Vertrauen in die Stabilität der amerikanischen Hochkonjunktur war die Voraussetzung der Kurserhöhungen der letzten Tage. Die Verkäufe der beiden großen Waren- und Versandhauskonzerne, Sears Roebuck und Montgomery Ward, waren in den ersten fünf Monaten des laufenden Jahres um volle 30 % höher als in derselben Zeit des Vorjahrs. Die Aktien aller Unternehmungen, die sich mit Herstellung und Vertrieb von Massenartikeln beschäftigen, waren daher stark gefragt. Auch Automobil- und Radioaktien und zuletzt sogar Kupferwerte gingen in die Höhe.

| | 30. 4. | 7. 5. | 15. 5. | 22. 5. | 29. 5. | 5. 6. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| General Motors . | 84½ | 83½ | 81 | 73,1 | 71¼ | 73 |
| General Electric . | 243¾ | 251¼ | 280½ | 268½ | 266½ | 274½ |
| U. S. Steel . . . | 188¾ | 180¼ | 176 | 167 | 166 | 169¼ |
| Radio Corp. . . | 103¾ | 100½ | 94½ | 91 | 85½ | 88½ |
| Woolworth . . . | 223½ | 229½ | 226 | 214 | 213 | 217¼ |
| Standard Oil N. J. | 59 | 60 | 59¾ | 57½ | 56½ | 58¾ |
| Am. Tel. & Tel. . | 233 | 225½ | 216 | 208½ | 206¾ | 210½ |
| Pennsylvania . . | 82 | 80½ | 76¾ | 77 | 76 | 78¼ |
| Can. Pacific .. . | 239½ | 235½ | 230 | 224¾ | 224 | 224¾ |

## FEDERAL RESERVE BANKEN DER VEREINIGTEN STAATEN VON AMERIKA

| In Millionen Dollars | Bankdiskont [1]) % | Goldbestand | Wechselanlage diskontiert | Wechselanlage im offenen Markt angekauft | Staatspapiere | Gesamte Aktiva | Notenumlauf | Depositen insgesamt | Depositen davon Depositen der Mitglieder-Banken | Verhältnis der Reserven [2]) zum Notenumlauf plus Depositen % | Maklerdarlehen der New-Yorker Mitgliedsbanken insgesamt | davon für eigene Rechnung | davon für Rechnung von Provinzbanken | davon für fremde Rechnung | Tägliches Geld [4]) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30. 12. 15 | 4 | 542 | 55 | | 16 | 688 | 189 | 394 | — | 95,3 | — | — | — | — | — |
| 23. 5. 28 | 4½ | 2634 | 847 | 331 | 230 | 4999 | 1579 | 2417 | 2370 | 70,0 | 4456 | 1247 | 1607 | 1602 | 6,00 |
| 29. 5. 28 | 4½ | 2607 | 944 | 304 | 219 | 4986 | 1593 | 2408 | 2357 | 68,9 | 4469 | 1608 | 1608 | 1642 | 6,00 |
| 1. 5. 29 | 5 [3]) | 2812 | 986 | 170 | 151 | 5165 | 1664 | 2410 | 2336 | 73,3 | 5532 | 979 | 1676 | 2877 | 12,09 |
| 8. 5. 29 | 5 | 2841 | 962 | 157 | 149 | 5098 | 1664 | 2389 | 2330 | 74,3 | 5551 | 864 | 1734 | 2953 | 12,00 |
| 15. 5. 29 | 5 | 2839 | 915 | 146 | 156 | 5235 | 1647 | 2366 | 2320 | 75,1 | 5565 | 860 | 1725 | 2980 | 9,42 |
| 22. 5. 29 | 5 | 2841 | 904 | 138 | 153 | 5057 | 1640 | 2325 | 2276 | 75,9 | 5520 | 827 | 1651 | 3042 | 6,83 |
| 30. 5. 29 | 5 | 2824 | 988 | 118 | 145 | 5035 | 1654 | 2331 | 2286 | 74,5 | 5288 | 773 | 1540 | 2975 | 5,92 |

[1]) Der Federal Reserve Bank of New York. — [2]) Goldbestand und sonstige gesetzliche Reserven. — [3]) Seit 12. 7. 1928. — [4]) Durchschnitt der Berichtswoche des Federal-Reserve-Board.

Zu Anfang des Jahres 1929 trat im Zusammenhang mit der Abschwächung aller in- und ausländischen Anleihen der erste starke Kursrückgang der deutschen Bonds in New York ein. Mitte April senkten sich die Kurse im Zusammenhang mit den Goldverlusten Deutschlands zum zweitenmal, und im Laufe des Monats Mai bröckelten sie stetig ab, da die ungünstigen Meldungen über die Pariser Reparationskonferenz verstimmten. Erst in den allerletzten Maitagen begann der Umschwung, etwa gleichzeitig mit dem an den deutschen Börsen. Am 3. und 4. Juni konnten nahezu alle deutschen Bonds ihre Kurse um einige Punkte erhöhen, einige Werte haben sogar die im Januar verzeichneten Jahreshöchstkurse nahezu erreicht. Durch die Kursbewegung der letzten Tage dürfte die Möglichkeit von deutschen Neuemissionen in New York nähergerückt sein.

| | Höchstkurs 1929 | Mitte April | 28. Mai | 5. Juni |
|---|---|---|---|---|
| 7 % Dawes-Anleihe . . . | 108 | 106 | 104¾ | 106½ |
| 6½ % Berlin v. 1925 . . | 99 | 97 | 95 | 97½ |
| 7 % Leipzig . . . . . | 100½ | 98½ | 95 | 98 |
| 6 % Deutsche Bank . . . | 99 | 96½ | 96½ | 96⅝ |
| 6 % Rentenbank II . . . | 88 | 84½ | 79½ | 85¾ |
| 6 % Norddeutscher Lloyd . | 94 | 92 | 91¾ | 93 |
| 7 % R. W. E. . . . . | 102 | 101 | 100¼ | 102½ |
| 6½ % Bewag . . . . . | 95 | 92¼ | 90¼ | 93 |

# BILANZEN

## Bayerische Motoren-Werke A.-G., München

(Siehe die letzte Bilanzbesprechung in D. V. II, Heft 31)

Die Bayerischen Motoren-Werke sind das rentabelste Unternehmen der deutschen Kraftfahrzeugindustrie, aber ihre Aktien haben in den letzten Monaten eine ebenso starke Kurseinbuße erlitten wie die Aktien von sanierungsreifen Unternehmungen. Für 1927 wurden auf 10 Mill. 14 %, für 1928 auf 16 Mill. dieselbe Dividende ausgeschüttet, aber der Kursrückgang kann trotzdem nicht als ungerechtfertigt angesehen werden. Die Verwaltung hat selber zugegeben, daß die Dividende zwar im letzten Jahr „reichlich verdient" worden sei — wir möchten annehmen, daß sie anderthalbfach verdient worden ist — aber seither hätten sich die Verhältnisse geändert. Jetzt würde man wahrscheinlich einen anderen Vorschlag unterbreiten. Am wichtigsten ist die Änderung der finanziellen Lage: An große Bankguthaben war das Unternehmen seit Jahren gewöhnt — noch zu Anfang 1928 wurde ein Bauprogramm aufgestellt, das wohl nicht nur das unbedingt Notwendige umfaßt — während jetzt erhebliche Bankschulden bestehen. Früher hat man in Fülle gewirtschaftet, jetzt ist aber das wichtigste Ziel der Gesellschaft, Vorräte und Außenstände herabzudrücken.

Die Aufnahme der Kleinauto-Produktion durch den Ankauf der Dixi-Werke in Eisenach im Herbst 1928 hat zur Verschärfung der Lage ohne Zweifel beigetragen, die eigentliche Ursache ist sie aber nicht. 4,9 Mill. betrug zu Ende 1927 der gesamte Buchwert der Münchener Anlagen. An Zugängen wird für das Jahr 1928 ein höherer Betrag, 6,2 Mill. ausgewiesen, so daß nach Vornahme von erheblichen Abschreibungen die Münchener Betriebe zu Ende 1928 mit 9½ Mill. zu Buch stehen. Die Geschäftstätigkeit und auch die Rentabilität sind in der Zwischenzeit gleichfalls gestiegen, aber bei weitem nicht entsprechend dem fest investierten Kapital. Die Umsätze des Werkes München, Motorräder und Flugmotoren, betrugen:

| 1924 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|
| | In Millionen RM | | | |
| 8,37 | 15,14 | 9,58 | 17,7 | 24,2 |

Die starken Schwankungen der Jahre 1925/26 beruhen auf einmaligen großen Auslandsaufträgen für Flugmotoren, in den letzten beiden Jahren dürfte aber die Steigerung gleichmäßig auf beide Fabrikationsgebiete entfallen, wobei der Motorradbau stets den größeren Umsatz hatte. Produktionstechnisch war also das letzte Jahr recht befriedigend, der Umsatzsteigerung um fast 40 % entspricht sogar eine Steigerung des ausgewiesenen Bruttogewinns um mehr als die Hälfte. (Bedauerlicherweise hat die Gesellschaft die Angabe der Betriebsunkosten diesmal unterlassen, für 1927 wurde ein Fabrikationsgewinn von 10,7 Mill. und Betriebsunkosten von 5,1 Mill. angegeben, für 1928 nur ein Bruttogewinn von 8,6 Mill.)

Die Gesellschaft hat sich schon vor langer Zeit mit der Aufnahme der Kleinauto-Produktion beschäftigt, sie glaubte, bei der relativ kleinen Preisdifferenz zwischen schweren, hochwertigen Motorrädern und Kleinautomobilen mit dem Kleinauto denselben Kundenkreis wie mit dem Motorrad bedienen und auch verschiedene fabrikatorische Erfahrungen auf diese Weise nutzbar machen zu können. Bei dem Zusammenbruch der verschiedenen Automobilengagements von Jakob Schapiro hat die B. M. W. die Dixi-Werke in Eisenach von der Gothaer Waggonfabrik erworben. Der eigentliche Besitztitel war billig zu erhalten, er kostete nur RM 2 Mill., obwohl die Gesellschaft das ausschließliche Fabrikationsrecht der englischen Austin-Wagen für Deutschland besaß und mit neuen Maschinen gut ausgerüstet war. B. M. W. mußte aber sämtliche Schulden von Dixi mit übernehmen in Höhe von zusammen RM 11 Mill. Für die Abzahlung des größten Teils der Schulden waren allerdings günstige Abmachungen möglich. Die eigentliche Bankschuld in Höhe von 3,01 Mill. muß in fünf gleichen Jahresraten ab Ende 1929 zurückgezahlt werden, während zur Abgeltung der meisten Lieferantenschulden ein Dollarkredit in Höhe von RM 5¼ Mill. rückzahlbar Ende Dezember 1931, gegeben wurde. Beide Kredite sind nur mit 6 % verzinslich. Im Laufe des Jahres 1928 mußten darüber hinaus nur relativ kleine Summen in die Dixifabrik investiert werden (rd. ½ Mill), denen Abschreibungen in Höhe von 0,28 Mill. gegenüberstehen. Die Werke wurden per 1. Oktober 1928 übernommen; in den letzten drei Monaten des Jahres war natürlich, wie immer in der Winterzeit, der Umsatz relativ klein, er bezifferte sich insgesamt auf 3 Mill. Entsprechend dürfte auch der Anteil von Dixi am Bruttogewinn unbedeutend sein.

| | 1924 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|
| | in 1000 Reichsmark | | | | |
| Bruttogewinn . . | 3 106 | 8 097 | 5 452 | 10 677 | 8 605 |
| Lasten: | | | | | |
| Betriebsunkosten . . . | — | 3 931 | 2 479 | 5 076 | — |
| Handlungsunkosten . . | 1 520 | 2 985 | 1 741 | 2 839 | 4 104 |
| Abschreibungen . . . | 1 247 | 630 | 546 | 926 | 1 848 |
| Summe der Lasten . . | 2 767 | 7 546 | 4 766 | 8 841 | 5 952 |
| Reingewinn o. Vortrag . . . . | 339 | 551 | 686 | 1 836 | 2 653 |
| Gewinnverteilung: | | | | | |
| Dividende . . . . | 300 | 500 | 600 | 1 400 | 2 240 |
| do. in % . . . . . | 10 | 10 | 12 | 14 | 14 |
| Reserven . . . . . | — | 50 | 50 | 282 | 300 |
| A.-R.-Tantieme . . . | ? | ? | ? | 73 | 116 |
| Vortrag . . . . . | + 39 | + 1 | + 38 | + 81 | — 4 |

Die Handlungsunkosten sind in einem ähnlichen Verhältnis wie der Bruttogewinn gestiegen, die Abschreibungen dagegen infolge des erwähnten sehr großen Zugangs viel stärker. Die Abschreibungssätze des Vorjahrs — 5 % auf Gebäude, 30 % auf Betriebsanlagen, 25 % auf Maschinen — wurden beibehalten, aber auf die Buchwerte des Eisenacher Werkes entsprechend ihrer Benützung durch den neuen Besitzer (drei Monate) verteilt. Nach Abzug dieser Kosten ergibt sich ein Reingewinn, der die Aufrechterhaltung der 14proz. Dividende auf das erhöhte Kapital gestattet und außerdem noch die Überweisung von RM 300 000 an die Reserven. Bei der Beurteilung dieses Ergebnisses muß berücksichtigt werden, daß die neuen Mittel 1928 noch kaum mitgearbeitet haben, denn die Neubauten wurden zum großen Teil erst zu Ende des Jahres fertig. Die Kapitaler-

höhung selbst erfolgte im Juli, die Aktionäre erhielten ein Bezugsrecht im Verhältnis von 2 : 1 zu 120 %, der Gesellschaft flossen insgesamt 7,2 Mill. zu. Für die Neuinvestitionen des letzten Jahres reichte dieser Betrag aus, nicht aber für die starke Ausweitung aller laufenden Konten, die gleichzeitig stattfand.

| | Eröffnung 1. 1. 24 | 1925 31. 12. | 1926 31. 12. | 1927 31. 12. | 1928 31. 12. |
|---|---|---|---|---|---|
| | in 1000 Reichsmark | | | | |
| Aktiva: | | | | | |
| Grundstücke | 610 | 960 | 960 | 1 022 | 1 723 |
| Gebäude | 1 100 | 1 708 | 1 623 | 2 324 | 6 183 |
| Betriebs-, Hilfsanlag. | 100 | 142 | 125 | 231 | 948 |
| Maschinen | 500 | 1 087 | 857 | 1 293 | 4 379 |
| Werkzeuge usw. | (RM. 3) | (RM 3) | (RM 3) | (RM 3) | (RM 3) |
| Anlagen in Bau | — | — | — | — | 1 459 |
| Anlagen zus. | 2 310 | 3 897 | 3 565 | 4 870 | 14 692 |
| Beteilig., Effekt. | (RM 7) | 1 250 | 1 197 | 1 097 | 803 |
| Rohmaterial | ? | 1 621 | 1 041 | 1 447 | 4 867 |
| Halb-, Fertigfabr. | ? | 2 563 | 2 311 | 3 005 | 9 601 |
| Bestände zus. | 2 578 | 4 299 | 3 380 | 4 452 | 14 468 |
| Wechsel | 5 | 5 | 360 | 845 | 784 |
| Bankguthaben | | 325 | 308 | | 1 071 |
| Anzahlungen | 745 | 566 | 74 | 5 619 | 1 309 |
| Sonst. Debitoren | | 896 | 693 | | 5 986 |
| Passiva: | | | | | |
| Aktienkapital | 3 000 | 5 000 | 5 000 | 10 000 | 16 000 |
| Reserven | 300 | 300 | 350 | 918 | 2 400 |
| Anzahlungen | — | 1 394 | 908 | 1 202 | 987 |
| Bankschulden | ? | 1 684 | 714 | — | 8 265 |
| Kreditoren | ? | 2 136 | 1 895 | 2 887 | 8 736 |
| Bilanzsumme | 5 686 | 12 129 | 9 593 | 16 918 | 39 197 |
| Avale | — | 874 | 104 | 389 | 929 |

Die Neubauten entsprechen nicht nur den Anforderungen, die die Umsatzsteigerung an die Werke stellt, sondern bedeuten auch die Ersetzung der aus dem Krieg stammenden provisorischen Flugzeughallen durch neue Anlagen. Umorganisation und Ausbau des ganzen Betriebs gingen damit einher. Erst zu Anfang 1929 wurden die Bauten in München beendet, so daß die nächste Bilanz noch gewisse, aber nicht mehr übermäßige Kosten zum Vorschein bringen wird. Am größten sind die Zugänge bei den Gebäuden (+ 2½ Mill.), während die neuen Maschinen in München nur 1½ Mill. gekostet haben. Die neu angeschafften Werkzeuge, Utensilien usw. wurden wieder völlig abgeschrieben. Von den zur Zeit des Bilanztermins noch im Bau befindlichen Anlagen entfallen 1,2 Mill. auf München und 0,2 Mill. auf Eisenach. Zu den Neuinvestitionen muß der weitere Betrag von 1,3 Mill. zugerechnet werden, das sind Anzahlungen an Lieferanten, die zu Ende 1927 nicht ausgewiesen waren. Die Bankguthaben und Forderungen sind von 5,6 auf 7 Mill. gestiegen, wobei einer starken Steigerung der Außenstände (längere Zahlungsfristen für Flugmotoren) ein ebenso großer Rückgang der Bankguthaben (bis auf 1 Mill.) gegenübersteht.

Neben der enormen Steigerung der Anlage-Buchwerte charakterisiert die letzte B. M. W.-Bilanz die Verdreifachung der Vorratskonten. Rohmaterial besaß die Gesellschaft zu Ende 1928 in Höhe von 4,9 gegen 1,4 Mill. im Vorjahr, die Steigerung ist also größer, als der Umsatzzunahme und der Angliederung der Eisenacher Fabrik entsprechen würde, sie fällt aber kaum ins Gewicht im Vergleich zur Zunahme der Halb- und Fertigfabrikate. Von 3 auf 9,6 Mill. ist deren Buchwert gestiegen, wobei allerdings einige Millionen auf die Eisenacher Fabrik, die Ende 1928 noch nicht recht in Gang gekommen ist, entfallen. B. M. W. hielt auch 1928 am Prinzip fest, die Lager entsprechend dem Wert der verwandten Materialien und der Löhne zu bewerten, also keinen Gewinn (und keinen Anteil der Unkosten) zur Bewertung hinzuzuschlagen. Umso beachtlicher ist es, daß in einem Jahr mit einem Umsatz von 24 Mill. (in München allein) schätzungsweise 7 Mill. Lager übrig geblieben sind. Dieses Verhältnis ist nahezu ebenso ungünstig, wie das der großen deutschen Automobilfabriken, während früher B. M. W. eine bemerkenswert kleine Lagerhaltung aufwies.

Entsprechend der Zunahme der Debitoren und Vorräte haben sich auch die Schulden der Gesellschaft stark vermehrt. Auch wenn man die 8,25 Mill. prolongierte Bankschulden aus dem Erwerb von Dixi nicht berücksichtigt, sind die Verpflichtungen von 2,9 auf 8,7 Mill. gewachsen, also viel stärker als der Umsatz.

Eine ungünstigere Entwicklung setzte zu Ende des vergangenen Jahres ein. Der Flugmotorenbau war 1928 noch im ganzen Jahr voll beschäftigt, wobei sowohl der Inlands- als auch der Auslandsabsatz befriedigend war. Der Bau von luftgekühlten Flugmotoren (nach der bekannten amerikanischen Lizenz von Pratt & Whitney) wurde mit Erfolg aufgenommen. In der Motorrad-Abteilung verlangsamte sich aber im Winter 1928 der Abruf sehr stark (siehe die Vorratssteigerung), und zu Anfang 1929 setzte sogar eine Absatzperiode ein, die die saisonmäßig erwartete ungünstige Entwicklung noch übertraf. Durch den langen Winter hat sich auch das Frühjahrsgeschäft verspätet; es ist wohl kaum mehr damit zu rechnen, daß die Motorrad-Abteilung 1929 die vorjährigen Umsatzzahlen übertrifft, obwohl vergrößerte Betriebsstätten zur Verfügung stehen. Dasselbe gilt in verstärktem Maß für den Flugmotorenbau. Die ausländischen Aufträge sind zwar recht befriedigend, die Einstellung der deutschen Bestellungen, bedingt durch die Abstriche am Reichshaushalt, bedeutet aber einen Umsatzausfall von einigen Millionen.

Bei Übernahme der Dixi-Werke erwartete die Verwaltung entsprechend den Erfolgen, die der kleine Austin-Wagen in England und Frankreich erzielte, eine rapide Vergrößerung des Absatzes. Diese Erwartungen sind enttäuscht worden, und zwar wahrscheinlich nicht nur aus dem Grund, weil der Produktionsbeginn in die ungünstigen Wintermonate fiel. Eine Verbesserung der Dixi-Type erwies sich als notwendig, wobei Verzögerungen von 6 bis 8 Wochen eintraten. In einigen Wochen kommt der neue Typ — der geschlossene Wagen mit einer Ambi-Budd Ganzstahlkarosserie — auf den Markt, wobei das Ergebnis des Konkurrenzkampfes mit Opel, Chevrolet, Ford erst abgewartet werden müssen. Der Dixi-Wagen ist billiger, dafür aber auch wesentlich schwächer als die anderen genannten Automobile. Sein Preisvorsprung gründet sich auf dem niedrigen Gewicht, das zugleich Betriebskostenersparnis bedeutet. Die Gesellschaft erwartet für den neuen Typ einen Jahresumsatz im laufenden Jahr von etwa RM 20 Mill. Das würde eine Produktion von fast demselben Umfang entsprechen, wie ihn Ford oder General Motors jetzt in Deutschland haben. Im Eisenacher Werk gibt es außer der Automobilabteilung eine weitere für Heeresgeräte, die zweifellos eine sehr ausreichende Rentabilität abwirft.

Da zu Anfang 1929 der Absatz stockte, die Bauten aber weitergeführt werden mußten, bestand für die Gesellschaft die Notwendigkeit, neue Bankkredite in Anspruch zu nehmen. Ein englischer Pfund-Kredit in Höhe von RM 2 Mill. wurde zu relativ günstigen Bedingungen aufgenommen und außerdem ein Bankkredit von 5 Mill. der Gesellschaft bewilligt. Beansprucht wurden bis Ende Mai nur 2 Mill. aus diesem Kredit, zur Dividendenzahlung sind aber weitere 2 Mill. Kredite notwendig. Man hofft, im Laufe des Jahres diese Bankkredite zurückzahlen zu können, was allerdings noch immer keine endgültige finanzielle Entspannung bedeuten würde, da Ende 1929 die Rückzahlung der für die Dixi-Werke eingegangenen Bankschulden beginnen muß. Die B. M. W.-Verwaltung steht also plötzlich vor derselben Aufgabe wie alle anderen deutschen Automobilwerke, sie muß versuchen, ihren Betrieb und ihren Absatz sparsamer zu gestalten. Die Zeit, wo aus großen Bankguthaben die Dividenden bequem gezahlt werden konnten, ist vorbei, man wird, auch wenn der Motorrad- und Automobilabsatz im weiteren Verlauf des laufenden Jahres die relativ hohen Erwartungen erfüllt, die Divi-

dende wohl ermäßigen, um mehr Schulden tilgen zu können. Allerdings besteht für B. M. W. ein gewisser Spielraum, da die Gesellschaft keine Obligationen ausstehen hat.

Die B. M. W.-Aktie ist in der letzten Zeit nicht nur durch die dargestellte industrielle Entwicklung, sondern auch durch Transaktionen von Großaktionären in Mitleidenschaft gezogen worden. Über die Beziehungen des bisherigen Vizepräsidenten der Gesellschaft, Herrn Castiglioni zur B. M. W. berichten wir an anderer Stelle dieses Blattes. Für die Gesellschaft kann sich dadurch nur ein Wandel zum Besseren ergeben, denn in der G.-V. wurde mitgeteilt, daß ein 1925 geschlossener Vertrag zwischen der Gesellschaft und Castiglioni geändert worden sei. Der Inhalt des Vertrags wurde nicht angegeben. Wie wir zu wissen glauben, hat Castiglioni bisher vom Auslandsabsatz der Gesellschaft eine Umsatzprovision bezogen. Mit der Aufhebung dieses höchst unüblichen Vertrags, der dem Großaktionär auf Kosten der Gesellschaft ein großes Einkommen zuschanzte, wäre die Gesellschaft von einer schweren Belastung befreit.

## Elektricitäts-Lieferungs-Gesellschaft, Berlin

(Siehe Bilanzbesprechung Jahrg. II, Heft 28.)

Die E. L. G., von deren Kapital die A. E. G. durch die Bank Elektrischer Werte über 40 % besitzt, hat im Oktober vorigen Jahres ihr Kapital um 10 Mill. auf 40 Mill., also auf das Doppelte des Kapitals der Goldmarkeröffnungsbilanz erhöht, um sich wieder im Ausland — und zwar besonders in der Türkei — betätigen zu können. Die neuen Aktien waren von dem Bankenkonsortium zu 135 % übernommen und den Aktionären im Verhältnis von 3 : 1 zu 140 % angeboten worden, mußten aber wegen des geringen Bezugs zum überwiegenden Teil im Ausland placiert werden. Für die Ausschüttung von wieder 10 % Dividende wurden — die jungen Aktien waren nur zur Hälfte dividendenberechtigt — 3,5 Mill. gegen 3 Mill. im Vorjahr verwendet.

Die E. L. G. ist nicht allein eine Holding-Gesellschaft, obwohl sie allmählich immer mehr diesen Charakter annimmt. Als eigene Werke betreibt sie das E. W. Brotterode (Thür.), Dahme (Mark), Fürstenwalde (Spree), Neuburg (Donau) und Trebbin (Teltow) und hat außerdem das E. W. Linden (Hann.) und Rostock gepachtet. Von allen verwalteten Werken wird über Weiterentwicklung berichtet, der Stromabsatz (1927 25,8 Mill. kWh, davon 19,6 für Kraft, 6,2 für Licht) ist nach dem Geschäftsbericht gestiegen, wenn auch die Aufwärtsbewegung durch den Niedergang der Konjunktur in den letzten Monaten des Jahres gehemmt wurde. Der Ausbau der Unternehmungen wird durch die hohen Zinslasten verlangsamt.

Erst 1927 hat die E. L. G. die Ausdehnung ihres Geschäftsbereichs auf das Ausland begonnen mit dem Erwerb der Westböhmischen E. W. Asch und der Ausübung einer Option auf die E. L. G. m. b. H. Eger. Wichtiger ist die Interessenahme in der Türkei, wo sie im selben Jahr die Konzession für ein Elektrizitäts- und ein Gaswerk in der türkischen Hauptstadt Angora erhalten hat. Der Stromverbrauch dürfte hier recht günstig sein, da die Stadt in raschem Anwachsen ist und außer sämtlichen Regierungsstellen auch Fabriken dort im Entstehen sind. Es dürften wohl in Angora bis jetzt nicht weniger als RM 9 Mill. investiert worden sein, und der Stromabsatz wird auf 4 Mill. kWh veranschlagt. Die E. L. G. ist bei beiden Gesellschaften mit 66⅔ % beteiligt, der Rest entfällt auf die Stettiner Chamotte-Fabrik A.-G. vorm. Didier. Das Elektrizitätswerk ist Mitte Oktober in Betrieb genommen worden, das Gaswerk ist noch im Bau. Die Konzession läuft 60 Jahre. Ferner wurde im vergangenen Jahr von der türkischen Regierung eine Konzession auf 50 Jahre für ein E. W. in Adana erworben, einer aufblühenden, industriereichen Stadt im Mittelpunkt des zilizischen Baumwollgebietes.

| | 1924 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|
| Erträgnisse: | in 1000 Reichsmark | | | | |
| Betriebsgewinn | 3 765 | 4 186 | 2 942 | 3 899 | 3 084 |
| Effekten, Beteiligungen | | | 1 567 | 2 058 | 3 723 |
| Erträgnisse zus. | 3 765 | 4 186 | 4 510 | 5 957 | 6 807 |
| Lasten: | | | | | |
| Handlungsunkosten | 618 | 692 | 691 | 943 | 1 043 |
| Steuern | 846 | 578 | 701 | 786 | 804 |
| Oblig.-Zinsen | — | 75 | 113 | 113 | 188 |
| Wertvermindrg., Erneuerg. | 493 | 686 | 649 | 844 | 949 |
| Wohlfahrt | 54 | 86 | 78 | 88 | 97 |
| Summe der Lasten | 2 011 | 2 117 | 2 233 | 2 772 | 2 072 |
| Reingewinn o. Vortrag | 1 754 | 2 069 | 2 277 | 3 185 | 3 735 |
| Gewinnverteilung: | | | | | |
| Dividende | 1 602 | 1 802 | 2 002 | 3 002 | 3 502 |
| do. in % auf St.-A. | 8 | 9 | 10 | 10 | 10 |
| do. in % auf V.-A. | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 |
| Genußrechte | — | 85 | 71 | 76 | 75 |
| Tantiemen usw. | 42 | 57 | 67 | 99 | 115 |
| Reservefonds | 100 | 110 | 114 | — | — |
| Vortrag | + 10 | + 15 | + 23 | + 8 | + 43 |

Der Betriebsgewinn der eigenen E. W. wird um 0,8 Mill. niedriger ausgewiesen, während die Effekten und Beteiligungen dafür um fast 1,7 Mill. mehr eingebracht haben. Unter den Lasten haben sich besonders die Handelsunkosten, Obligationszinsen und die Überweisungen an den Erneuerungsfonds beträchtlich vermehrt. Der Reingewinn zeigt eine Steigerung, die dem erhöhten Dividendenerfordernis fast entspricht.

| | 1. 1. 24 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|
| Aktiva: | in 1000 Reichsmark | | | | |
| Elektrizitätswerke | 5 461 | 7 467 | 9 121 | 10 964 | 14 151 |
| Effekt., Beteilig. | 18 462 | 18 861 | 20 297 | 25 584 | 31 554 |
| Bankguthaben | 179 | 41 | 1 533 | 3 857 | 4 339 |
| Guth. b. kontr. Ges. | 382 | 1 499 | 2 298 | 2 855 | 8 111 |
| Guth. b. eig. Betrieb. | 571 | 1 623 | 1 578 | 2 907 | 3 307 |
| Verschiedene Ford. | 1 152 | 2 593 | 2 591 | 288 | 435 |
| Außenstände zus. | 2 284 | 5 756 | 8 000 | 9 907 | 16 192 |
| Passiva: | | | | | |
| Stammaktien | 20 000 | 20 000 | 25 000 | 30 000 | 40 000 |
| Vorzugsaktien | 40 | 40 | 40 | 40 | 40 |
| Obligationen | 4 543 | 3 790 | 3 771 | 3 770 | 3 770 |
| Ges. Reserve | — | 100 | 1 211 | 3 098 | 6 031 |
| Wertverminderung, Erneuerung | 1 365 | 2 568 | 3 217 | 3 988 | 4 708 |
| Bankschulden | | 1 680 | — | — | — |
| Fordrg. kontroll. Ges. | | 1 000 | 572 | 557 | 1 556 |
| Sonst. Gläub., Steuern | | 509 | 933 | 1 572 | 1 424 |
| Kreditoren zus. | 188 | 3 187 | 1 505 | 2 128 | 2 980 |
| Bilanzsumme | 26 206 | 32 084 | 37 417 | 46 725 | 61 896 |

Die eigenen Anlagen haben sich durch Erweiterungen und Vergrößerungen um RM 3,187 Mill. erhöht. In Rostock wurde ein neues Verwaltungsgebäude fertiggestellt, das E. W. Dahme auf Strombezug vom Märkischen E. W. umgestellt.

Die Effekten und Beteiligungen haben sich gegenüber dem Vorjahr um RM 6 Mill. erhöht, nachdem schon im Vorjahr eine Steigerung um RM 5,3 Mill. eingetreten war. Die Zunahme entfällt auf RM 2,05 Mill. Aktien der Bayerischen E. L. G. Bayreuth, die bei einer Steigerung des Anschlußwerts von 69 000 auf 80 000 kW eine Erhöhung des Stromabsatzes von 40,3 auf 48,6 Mill. kWh aufweisen. Ferner kamen hinzu 3 Mill. junge, mit 25 % eingezahlte Aktien (ab 1. 1. 28 dividendenberechtigt) der Sächsischen E. L. G., Siegmar, die zur Ausgestaltung der Betriebsanlagen ihr Kapital um 6 auf 32 Mill. erhöht hatten. Die nutzbare Stromabgabe ihrer drei Werke Oberlungwitz, Crimmitschau und Schwarzenberg betrug 121,8 Mill. kWh gegen 97,7 Mill. im Vorjahr. Diese Zugänge auf dem Beteiligungskonto wurden schon per Ende Oktober 1928 ausgewiesen. Bis dahin war der Buchwert dieses Kontos um 3,6 Mill. gestiegen. Bis zum Jahresende erhöhten sich noch die Beteiligungen um 2,5 Mill. durch die Gründung des E. W. und des Gaswerks in Angora, die mit einem Aktienkapital von je Ltqs. 1½ Mill. (1 türk. Pfund = 2 RM) ausgestattet wurden und an denen die E. L. G. mit zwei Dritteln beteiligt ist. Das Beteiligungskonto dürfte demnach zu Ende 1928 folgendes Aussehen gehabt haben:

Von sämtlichen Gesellschaften wird über eine Erhöhung der Stromabgabe berichtet, bei der Thüring. E. L. G. ist sie von 49,9 auf 62,8 Mill. kWh, bei der Kommunalen E. L. G. Sagan von 28 auf 30,2 Mill. kWh gestiegen, nachdem der Aus-

| Kapital Mill. RM | Beteiligung Mill. RM | Letzte Dividenden in Prozenten 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|
| Main-Kraftwerke A.-G., Höchst | | | | | |
| 22,4 | 1,20 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| Bayerische E.L.G., Bayreuth | | | | | |
| 15,0 | 6,78 | 6 | 6 | 7 | 7 |
| Sächsische E.L.G., Siegmar | | | | | |
| 32 | 13,0 + 3 jg. | 8 | 8 | 8 | 8 |
| Thüringische E.L.G., Gotha | | | | | |
| 17,6 | 4,57 | 7 | 8 | 8 | 8 |
| Elektricitätswerk Brandenburg | | | | | |
| 3,0 | 3,0 | 10 | 10 | 10 | 10 |
| Lausitzer Elektricitätswerke G. m. b. H., Berlin | | | | | |
| 2,0 | 2,0 | 6 | 12 | 9 | 9 |
| Kommunale E.L.G., Sagan | | | | | |
| 5,35 | 0,68 | 5 | 0 | 0 | 5 |
| Licht- und Kraftwerke G. m. b. H., Berlin | | | | | |
| 0,5 | 0,5 | 0 | 4 | 4 | 4 |
| Brennerwerke G. m. b. H., München | | | | | |
| 1,22 | 0,38 | 4½ | 6 | 7 | |
| Elektricitätswerk Schwandorf, München | | | | | |
| 0,48 | 0,21 | 10 | 10 | 10 | |
| Kohlenveredelung A.-G., Berlin | | | | | |
| 2,50 | 0,17 | — | — | — | — |
| E. L. G. m. b. H., Eger | | | | | |
| Kc 20 Mill. | Kc 20 Mill. | 15 | 15*) | 10 | 10 |
| Westböhmische Elektricitätswerke | | | | | |
| Kc 15 Mill. | Kc 15 Mill. | 10 | 10*) | 8 | 8 |
| S. A. Turque d'Electricité, Angora | | | | | |
| Ltqs 1,5 Mill. | Ltqs 1 Mill. | | | | |
| S. A. Turque de Gaz, Angora | | | | | |
| Ltqs 1,5 Mill. | Ltqs 1 Mill. | | | | |

*) auf das kleinere Kapital vor der Stabilisierungs-Umstellung.

bau des Versorgungsgebiets nahezu beendet ist und mehrere Großindustrien angeschlossen wurden. Die Main-Kraftwerke erhöhten die Stromabgabe auf 88 Mill. kWh, und selbst das E. W. Brandenburg berichtet trotz des merklichen Einflusses der niedergehenden Konjunktur über einen Stromabsatz von 24,9 Mill. kWh gegen 23,3 Mill. kWh im Vorjahr. Bei der Licht- und Kraftwerke G. m. b. H. Berlin hat die Stromabgabe in Brambach und Bad Elster zugenommen, indessen ist ihr Ergebnis in Königsbrück ungünstig beeinflußt worden, da nach Ablauf des Ausschließlichkeitsrechts ein anderes Unternehmen mit einem zweiten Leitungsnetz die Strompreise unterbietet. Im neuen Geschäftsjahr hat sich das Beteiligungskonto bisher nur noch um 1 Mill., wohl durch die Gründung des E. W. Adana mit einem Kapital von Ltqs 1 Mill., erhöht.

Die Mittel aus der Kapitalerhöhung um RM 10 Mill. — das Aufgeld von RM 2,93 Mill. diente zur Verdoppelung des Reservefonds — fand auch zum erheblichen Teil seine Anlage in den Debitoren, die sich um 6,3 Mill. erhöhten. Hiervon entfallen nur etwa ½ Mill. auf die Vermehrung der Bankguthaben, die wohl im laufenden Jahr schon zum größten Teil aufgezehrt worden sein dürften. Das wesentliche ist die Steigerung der Guthaben bei kontrollierten Gesellschaften um RM 5¼ Mill., die in der Hauptsache wieder auf die Ansprüche der türkischen Gesellschaften zurückzuführen sind. Dieser Posten ist auch noch im Ansteigen und dürfte im ersten Halbjahr 1929 vermutlich um etwa 50 % zugenommen haben. Die Forderungen der kontrollierten Gesellschaften haben sich andererseits nur um 1 Mill. erhöht.

Aus dieser Entwicklung der E. L. G. ist es ersichtlich, daß sie besonders zu ihrer Auslandsexpansion wieder neue Mittel braucht. Nach der Verdoppelung des Aktienkapitals in kurzer Zeit ist aber besonders bei den jetzigen Geldverhältnissen an eine Kapitalerhöhung nicht zu denken. Wahrscheinlicher ist die Aufnahme einer Auslandsanleihe, über die schon früher verhandelt worden sein soll. Auch hierfür ist jedoch bei der Ungunst auch der ausländischen Kapitalmärkte wohl noch nicht der geeignete Zeitpunkt gekommen, aber man dürfte doch immerhin auf längere Zeit mit der Möglichkeit der Geldbeschaffung auf diesem Wege rechnen.

# Hackethal-Draht- und Kabel-Werke Aktiengesellschaft

(Siehe Bilanzbesprechung Jahrgang I, Heft 16.)

Hackethal ist eines der großen Kabelwerke, das gegenüber der Vorkriegszeit schon ohne seine Nürnberger Beteiligung den dreifachen Fabrikraum und Beschäftigungszahl aufweist. Dazu gehört aber auch seit der Inflationszeit der Vollbesitz der Kabel- und Metallwerke Neumeyer A.-G., Nürnberg, die zwar mit jetzt 2,5 Mill. niedrig kapitalisiert und entsprechend aktiviert ist, die aber wohl allein drei Viertel des Umsatzes von Hackethal aufweisen dürfte. Die Entwicklung von Hackethal, das dem Hanielkonzern nahesteht, war nach dem Dividendenausfall von 1926 in den letzten beiden Jahren im Gegensatz zu der Entwicklung kleinerer Kabelgesellschaften aufsteigend und 1928 konnte sogar trotz vieler ungünstiger Momente die Dividende für die RM 9,2 Mill. Aktien von 6 auf 8 % erhöht werden.

Die Umsätze von Hackethal waren von fast 22 Mill. im Jahr 1925 auf etwas über 16 Mill. im Jahr 1926 gesunken, obwohl in der zweiten Hälfte jenes Jahres bereits nach dem wirtschaftlichen Umschwung die bessere Beschäftigung einsetzte. Infolge der Belebung des Wohnungsbaues und starker Erweiterungsarbeiten der Elektrizitätszentralen stieg dann 1927 der Umsatz noch über den des Jahrs 1925 hinaus. Das letzte Geschäftsjahr fiel in eine Periode langsamen, aber stetigen Konjunkturrückgangs. Der Geschäftsbericht erwähnt, daß es trotzdem infolge der gut ausgebauten Verkaufsorganisation möglich war, den Umsatz gegenüber dem Vorjahr weiter zu heben. Man darf wohl annehmen, daß das Kapital von Hackethal etwa dreimal im Jahr umgeschlagen wurde. Außerdem aber hat auch die Nürnberger Beteiligung, die vor allem ein größeres Metallwerk hat als Hackethal selbst, einen schätzungsweise achtfachen Umschlag ihres kleinen Kapitals von 2,5 Mill., was schon aus den Debitoren und Kreditoren von ungefähr je 4 Mill., also drei Viertel der Hackethalziffern, zu schließen ist. Insgesamt dürfte damit das Kapital von Hackethal von Reichsmark 9,2 Mill. mehr als fünfmal umgeschlagen worden sein. Dabei währte von Mitte April bis Mitte Mai 1928 in der hannoverschen Metallindustrie ein Streik, und nach dem Geschäftsbericht hat der dadurch erwachsene Produktionsausfall das Jahreserträgnis erheblich beeinflußt. Ferner stand das Inlandsgeschäft in isolierten Leitungsdrähten nach dem Zusammenbruch des Verbandes unter starkem Wettbewerb und Preisdruck, und auch in Metallhalbzeug konnte der auf einer Reihe von Teilgebieten erfolgte Zusammenschluß der Produzenten 1928 noch keine befriedigende Gestaltung der Verkaufspreise herbeiführen. Von der Kupferhausse dürfte Hackethal auch wenig profitiert haben, da keine größeren Rohstofflager gehalten werden.

| | 1913 | 1924 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | In 1000 Reichsmark | | | | | |
| Bruttogewinn | 1 661 | 3 058 | 3 960 | 2 435 | 3 580 | 4 303 |
| Lasten: | | | | | | |
| Unkosten | 625 | 1 995 | 2 357 | 1 830 | 2 058 | 2 390 |
| Steuern | — | 561 | 467 | 295 | 407 | 589 |
| Abschreibungen | 301 | 326 | 713 | 384 | 490 | 491 |
| Disagioabschreib. | — | — | — | — | 60 | 81 |
| Summe der Lasten | 926 | 2 882 | 3 537 | 2 508 | 3 015 | 3 551 |
| Reingewinn o. Vortrag | 735 | 167 | 423 | — 73 | 565 | 751 |
| Gewinnverteilung: | | | | | | |
| Dividende | 580*) | — | 460 | — | 552 | 736 |
| do. in % | 16 | — | 5 | 0 | 6 | 8 |
| Rücklagen | 110 | — | — | — | — | — |
| Tantiemen | 38 | — | 34 | — | — | — |
| Vortrag | + 7 | 176 | — 71 | — 73 | + 13 | + 15 |

*) M 1,25 Mill. nur 8 % Div.

Aber trotz dieser zum Teil ungünstigen Momente stieg der Bruttogewinn mit dem Umsatz um etwa 20 %, so daß er fast doppelt so hoch als vor zwei Jahren liegt. Die wichtigste Beteiligung, die Kabel- und Metallwerke Neumeyer A.-G. in Nürnberg, schüttet in den letzten drei Jahren dieselbe Dividende wie Hackethal aus. In den

Erträgnissen von 1928 dürften an direkten Eingängen der Nürnberger Gesellschaft, die das Kapital 1927 von 1,5 auf 2,5 erhöht hatte, nur RM 0,15 Mill. enthalten sein. Daneben mag vielleicht aus anderen Berechnungen ein Teil des Gewinns auf Hackethal übertragen, der wesentlichste Teil aber wohl zur Stärkung der inneren Reserven verwendet worden sein. Die übrigen Beteiligungen von Hackethal sind unwichtig. Die Lasten von Hackethal haben sich ähnlich wie die Einnahmen entwickelt. Die 1927 gesteigerten Abschreibungen sind unverändert geblieben, der ausgewiesene Anlagezugang wurde voll abgeschrieben. Der Reingewinn stellte sich nach der Erfolgsrechnung sogar über den des letzten Vorkriegsjahres, ermöglichte aber bei dem mehr als verdoppelten Kapital nur die Hälfte der Vorkriegsdividende. Die Steigerung der Ausschüttung ist aber in einem Jahr absinkender Konjunktur auch im Verhältnis zu anderen Unternehmungen der Branche bemerkenswert.

| | 1913 | 1. 1. 24 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Aktiva | | In 1000 Reichsmark | | | | |
| Grundstücke . | 350 | 950 | 950 | 950 | 950 | 950 |
| Gebäude . . . | 885 | 2 200 | 2 200 | 2 150 | 2 100 | 2 100 |
| Maschinen usw. | 1 069 | 1 800 | 1 700 | 1 500 | 1 400 | 1 400 |
| Beteiligungen | 70 | 2 900 | 2 700 | 2 610 | 2 828 | 2 828 |
| Anleihedisagio | — | — | — | — | 277 | 195 |
| Vorräte . . . | 2 143 | 2 605 | 3 114 | 2 207 | 4 236 | 4 522 |
| Debitoren . . | 2 184 | 2 117 | 4 298 | 4 367 | 6 940 | 6 484 |
| Passiva: | | | | | | |
| Stammaktien | 4 250 | 9 120 | 9 120 | 9 120 | 9 200 | 9 200 |
| Vorzugsaktien | — | 80 | 80 | 80 | — | — |
| Reserven . . | 747 | 1 000 | 1 000 | 1 000 | 1 000 | 1 000 |
| Obligationen | — | 123 | 129 | — | 3 500 | 3 500 |
| Kreditoren . . | 1 016 | 2 346 | 4 282 | 3 764 | 4 859 | 4 234 |
| Bilanzsumme . | 6 920 | 11 709 | 15 210 | 13 996 | 19 208 | 18 783 |
| Bürgschaften . | — | — | 389 | 257 | 177 | 158 |

Die ausgewiesenen Anlagezugänge betrugen 1928 RM 491 000 gegen RM 340 000 i. V. Es sind damit seit der Eröffnungsbilanz Zugänge von RM 1,7 Mill. ausgewiesen worden, während der Anlagenbuchwert, der damals mit 5 Mill. eingesetzt war, um ½ Mill. zurückgegangen ist. Die tatsächlichen Zugänge auf Anlagen dürften dabei ganz beträchtlich über die ausgewiesenen hinausgehen. Die für die Anleihe von 3,5 Mill. mit einer Hypothek belasteten Werke waren im April 1927 mit RM 7,6 Mill. gegen Brandschaden versichert.

Zu den Werken in Brink und Langenforth, wo etwa 50 000 qm bebaut sind, ist aber ferner das Nürnberger Werk von etwa derselben Ausdehnung zu rechnen, dessen Anlagen entsprechend dem Aktienkapital von nur 2,5 Mill. noch ganz beträchtlich niedriger zu Buch stehen als die Anlagen von Hackethal selbst. Das ganze Kapital der Beteiligung ist bei der Muttergesellschaft zu pari aktiviert, Daneben enthält das Beteiligungskonto nach Abstoßung einer norwegischen, einer finnischen und einer anderen Beteiligung, bei denen die Buchwerte realisiert wurden, im wesentlichen nur noch kleinere ausländische Verkaufsgesellschaften, Hafen- und Siedlungsbeteiligungen, und eine Holdinggesellschaft (Hackethal-Industriegesellschaft Higes), deren Kapital 1927 im Verhältnis 2 : 1 auf RM 110 000 herabgesetzt wurde; diese ist wiederum an den Lloyd-Dynamowerken A.-G., Bremen, beteiligt.

Die Vorräte erscheinen in Anbetracht der Umsatzsteigerung und der Kupferpreiserhöhungen gering. Sie sind im letzten Jahr um noch nicht 0,3 Mill. gestiegen und betragen nur wenig mehr als das Doppelte der Vorkriegszeit, obwohl das Werk inzwischen den dreifachen Umfang hat und die Preise ganz wesentlich über denen der Vorkriegszeit liegen.

Hackethal hat im April 1927 unter besonders günstigen Bedingungen eine 6proz. Anleihe von RM 3,5 Mill. aufgenommen. Der Zeichnungspreis betrug 92½ %, und die Rückzahlung erfolgt mit 102 % vom 1. April 1933 ab in 20 gleichen Auslosungen. Das Agio wurde mit RM 336 000 ausgewiesen, so daß die Spesen etwa 9,6 % betrugen. Die Anleihe kostet also Hackethal etwa 7 %. Für die nächsten Jahre bleibt nach den vorgenommenen Abschreibungen noch ein Disagio von RM 195 000 zu tilgen. Nach dieser Konsolidierung der kurzfristigen Schulden sind die Kreditoren trotz des so erhöhten Umsatzes 1928 um RM 430 000 zurückgegangen und betragen nur zwei Drittel der Debitoren, die einen Rückgang um RM 460 000 erfahren haben. Die Debitoren der Kabel- und Metallwerke Neumeyer stellen sich auf ungefähr 4 Mill., die Kreditoren auf 3,65 Mill. Sowohl bei Hackethal wie bei seiner Untergesellschaft ist also der finanzielle Status recht günstig.

Auch das laufende Geschäftsjahr stand bisher unter dem Zeichen einer absteigenden Konjunktur. Dazu traten aber noch die Wirren des Metallmarkts, während derer die Abnehmer mit Aufträgen stark zurückhielten. Nach der Beruhigung am Kupfermarkt ist es jetzt die Geldverteuerung, durch die der Auftragseingang gehemmt wird. Bisher war jedoch das Werk genügend beschäftigt. Nach dem Geschäftsbericht von Ende März sichert der vorhandene Auftragsbestand eine Beschäftigung für die nächsten Monate, und auch einen Monat später wurde in der Generalversammlung noch erklärt, daß in den Hauptabteilungen für die nächsten Monate ein hinreichender Auftragsbestand vorliege. Es scheint, daß vielleicht im Hinblick auf die Preissteigerungen am Kupfermarkt das Geschäftsjahr 1928 infolge der Vorversorgung der Abnehmer steigenden Umsatz gebracht hat, und daß im laufenden Jahr zumindest keine Steigerungen zu erwarten sein dürften, auch wenn bisher der Umsatz noch gut war. Das Unternehmen ist aber jetzt mit genügend stillen Reserven ausgestattet, um auch schlechtere Zeiten gut durchhalten zu können.

## Concordia Spinnerei und Weberei, Marklissa und Bunzlau

(Siehe Bilanzbesprechung Jahrgang I, Heft 40)

Die Concordia Spinnerei ist ein Unternehmen, das seine Struktur seit der Eröffnungsbilanz völlig geändert hat. Denn die Gesellschaft, die nach der Goldumstellung auf das Vorkriegseigenkapital von 3,5 Mill. 2,25 Mill. neue Aktien und 2 Mill. Obligationen ausgeben und den Anlagenbuchwert von 1,3 Mill. in der Eröffnungsbilanz sukzessive auf 4,5 Mill. erhöhen mußte, hat sich mehr und mehr von einer Kammgarnspinnerei zu einer Kunstseidenweberei entwickelt, und von dem Umsatz, der 1926 RM 8,46 Mill., 1927 RM 14,37 Mill. betrug und 1928 sich schätzungsweise auf RM 11 Mill. belaufen haben dürfte, entfällt jetzt wohl nur ein Drittel auf das schlechtere Kammgarngeschäft, während zwei Drittel auf die in Marklissa konzentrierte Kunstseidenfabrikation (Damenwäsche, Futterstoffe für Herren) entfallen. Daher konnte auch trotz der schlechten Lage des Kammgarngeschäfts das Unternehmen zwar nicht die frühere Dividende von 10 % zahlen, aber immerhin aus dem erzielten Reingewinn noch bequem 8 % zur Ausschüttung bringen.

Bekanntlich war das Jahr 1927 eine Zeit der Hochkonjunktur der deutschen Textilwirtschaft. Um so empfindlicher machte sich seit Ende 1927 die rückgängige Konjunkturlage in der Textilindustrie bemerkbar, die Hand in Hand mit einer Lohnerhöhung von 15 % den Reingewinn schmälerte. In den Geschäftsberichten der Gesellschaft sind freilich von dem eigentlichen Geschäftsgang

| | 1913 | 1924 | 1925 | 1926 | 1927 | 1928 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Bruttogewinn: | | In 1000 Reichsmark | | | | |
| o. Vortrag . . | 1 235 | 3 111 | 3 104 | 3 296 | 5 215 | 5 303 |
| Lasten: | | | | | | |
| Unkosten . . | 1 009 | 2 055 | 2 344 | 2 304 | 3 761 | 3 787 |
| Steuern, soziale Lasten . . . | ? | 359 | 251 | 376 | 469 | 707 |
| Abschreibungen | 72 | 51 | 93 | 170 | 265 | 318 |
| Lasten zusamm. | 1 081 | 2 465 | 2 688 | 2 850 | 4 495 | 4 812 |
| Reingewinn | 154 | 646 | 416 | 446 | 720 | 491 |
| Gewinnverteilung: | | | | | | |
| Dividende | 135 | 399 | 264 | 329 | 554 | 444 |
| do. in % a. St.-A. | 4½ | 12 | 8 | 10 | 10 | 8 |
| do. in % a. V.-A. | — | 7*) | 6 | 6 | 6 | 6 |
| Rücklagen . . | — | 150 | 100 | 50 | 76 | 55 |
| Wohlfahrt . . | — | 41 | 20 | 20 | 20 | — |
| Gratifikationen | 21 | 40 | 30 | 40 | 70 | — |
| Vortrag . . . | —7 | +17 | +2 | +7 | —1 | —8 |

*) und 6 % Nachzahlung für 1923.

und von der Art des Unternehmens kaum mehr als Andeutungen enthalten. Man darf annehmen, daß zu dem Gewinnergebnis die Kammgarnspinnerei und -weberei sehr wenig beigetragen hat, während das Kunstseidengeschäft wohl 1928 noch gute Ergebnisse abgeworfen hat, trotzdem gegen Ende des Jahres ein Preisrückgang von etwa 30 % eingetreten ist.

Der Bruttogewinn — in der Erfolgsrechnung als Hauptwarenrechnung bezeichnet — stellt sich für 1928 noch etwas höher als in dem Rekordjahr 1927, in dem sich die Erweiterung des Unternehmens zum erstenmal umsatzmäßig voll auswirkte. Diesem Bruttogewinn stehen aber wesentlich erhöhte Lasten gegenüber. Aus dem in einem Posten ausgewiesenen Lastenkonto, das Löhne, Gehälter, Brennstoffe, elektr. Kraft, allgemeine Unkosten und Zinsen umfaßt, läßt sich die Erhöhung der Löhne nicht herauslesen. Dafür sind aber die Steuern und sozialen Lasten im Jahr 1928 allein um RM 238 000 auf RM 707 000 gewachsen. Hierin dürften neben den Auswirkungen der Lohnerhöhungen in der Vergrößerung der sozialen Lasten auch die Steueraufwendungen, die dem günstigen Ergebnis von 1927 entsprechend gestiegen sind, zur Auswirkung gekommen sein. Auch die Abschreibungen sind etwas erhöht worden. Auf Gebäude werden jetzt 3½ % (i. V. 3 %) der Buchwerte, auf Maschinen 13 % (i. V. rd. 12 %) abgeschrieben. Der ausgewiesene Reingewinn ist infolge der Lastensteigerung beinahe auf das Niveau von 1926 zurückgesunken. Auf das 1927 erhöhte Aktienkapital, das zum erstenmal 1927 voll dividendenberechtigt war, wurden 1928 nur 8 % gegen 10 % in den beiden Vorjahren ausgeschüttet. Auch die Rücklagen wurden nur mit einer verminderten Summe bedacht, und Aufwendungen für Wohlfahrt und Gratifikationen werden nicht mehr ausgewiesen.

| | 1913 31. 12. | Eröffng. 1. 1. 24 | 1925 31. 12. | 1926 31. 12. | 1927 31. 12. | 1928 31. 12. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | In 1000 Reichsmark | | | | | |
| Aktiva: | | | | | | |
| Grundstücke | 1 030 | 399 | 404 | 410 | 416 | 418 |
| Gebäude | | 841 | 1 259 | 1 700 | 2 405 | 2 513 |
| Maschinen | 942 | 125 | 523 | 1 026 | 1 438 | 1 610 |
| Wertpapiere | 13 | 79 | 146 | 148 | 523 | 523 |
| Vorräte | 2 206 | 1 839 | 1 925 | 2 718 | 4 655 | 5 384 |
| Außenstände | 749 | 1 357 | 2 003 | 1 714 | 3 640 | 3 371 |
| Kasse, Wechsel usw. | 26 | 26 | 167 | 237 | 221 | 207 |
| Anleihedisagio | — | — | — | 250 | 150 | 100 |
| Passiva: | | | | | | |
| Stammkapital | 3 000 | 3 250 | 3 250 | 3 250 | 5 500 | 5 500 |
| Vorzugsaktien | — | 70 | 70 | 70 | 70 | 70 |
| Reserven | 492 | 332 | 332 | 432 | 924 | 1 000 |
| Bankschulden | 644 | — | 517 | 369 | 223 | 1 017 |
| Rembourse | — | — | 827 | 408 | 1 646 | 1 638 |
| Akzepte | — | — | — | — | 235 | 538 |
| Sonstige Verbindlichkeiten | 450 | 835 | 771 | 997 | 1 847 | 1 575 |
| Gläubiger zusammen | 1 094 | 835 | 2 115 | 1 774 | 3 952 | 4 769 |
| Obligationen | — | 40 | 40 | 2 006 | 2 000 | 2 000 |
| Bilanzsumme | 4 986 | 4 667 | 6 426 | 8 204 | 13 448 | 14 128 |

Die Zugänge auf Anlagen betrugen 1928 RM 601 000 gegen 1,388 Mill. im Vorjahr. Damit belaufen sich die ausgewiesenen Investitionen seit der Eröffnungsbilanz auf nicht weniger als RM 4,075 Mill., nachdem die gesamten Anlagewerte in der Eröffnungsbilanz nur mit 1,3 Mill. zu Buch standen. Trotz der vorgenommenen Abschreibungen ist der Anlagebuchwert auf 4,5 Mill. gestiegen. In dem Hauptwerk in Marklissa dürfte jetzt die Kunstseidenweberei konzentriert sein. Die Maschinerie der Weberei soll auf dem neuesten Stand der Technik stehen. Auf ihre Erneuerung und Anschaffung mag ein beträchtlicher Teil der ausgewiesenen Zugänge entfallen sein. Das andere Hauptwerk ist die Kammgarnspinnerei in Bunzlau; hier ist 1926 eine Merino-Spinnerei hinzugekommen, die den Bedarf an weichen Kammgarnen deckt. Im großen und ganzen ist aber die gesamte Kammgarnspinnerei der unrentabelste Teil des Unternehmens. Mit der neugebauten Merino-Spinnerei dürfte das Unternehmen in Bunzlau über etwa 36 000 Feinspinnereispindeln verfügen; außer den etwa 800 Webstühlen, die die Concordia in Marklissa hat, kommen noch kleinere Webereien, die man bei Gelegenheit erworben hat, in Steinkirch und Friedersdorf im Kreis Lauban i. Schl. und in Markersdorf bei Reichenau mit etwa je 200 bis 300 Webstühlen.

Wertpapiere und Beteiligungen stehen seit 1927 mit einem wesentlich erhöhten Betrag von über ½ Mill. zu Buch. Obwohl die Dividendensumme für das gesamte Aktienkapital voll ausgewiesen wird, scheint diese Erhöhung des Wertpapierkontos im wesentlichen auf Vorratsaktien zurückzuführen zu sein. Denn bei der Kapitalerhöhung von 2,25 Mill., die 1927 zu 132 % an das Bankenkonsortium gingen, und von denen 1,625 Mill. zu 137 % im Verhältnis 2 : 1 angeboten wurden, müßte sich ein rechnerisches Agio von 0,52 Mill. ergeben haben, das tatsächlich verrechnete Agio beträgt nach Abzug der Unkosten RM 0,44 Mill. Man muß also annehmen, daß die Verwertungsaktien von 0,625 Mill., für die bei einer Verwertung im Jahr 1927 ein Agio von mindestens über 30 % hätte erzielt werden müssen, zum Teil noch im Portefeuille der Gesellschaft geblieben sind.

Ein bedenkliches Moment ist die Entwicklung der Vorräte. Diese sind von 1,9 Mill. zu Ende 1925 und 2,7 Mill. zu Ende 1926 auf nicht weniger als 5,4 Mill. gestiegen und erreichen damit fast das erhöhte Aktienkapital. Unter den Passiven sind die Rembourse fast unverändert wie im Vorjahr mit RM 1,6 Mill. ausgewiesen. Der Hauptteil der Vorräte dürfte auf Fertigwarenvorräte an Kammgarnen und vor allem an Kunstseidewaren entfallen, von denen besonders die letzteren gegen Ende 1928 bei zunehmender Konkurrenz einen Preissturz von etwa 30 % erlitten. Da die Verwaltung betont, daß die Vorräte sehr vorsichtig bewertet worden seien und noch stille Reserven enthielten, so muß wohl die mengenmäßige Steigerung noch größer gewesen sein als die wertmäßige. Allerdings sollen die Vorräte aus durchaus marktgängigen Waren bestehen. Die Absatzstockung ist wohl außer mit der Marktlage auch mit den Witterungsverhältnissen zu begründen, wie sie gerade Ende 1928 geherrscht haben. Wenn also die warme Witterung einsetzt, dürfte sich wohl auch der Vorratsbestand erheblich lichten. Immerhin deutet ein derartig erhöhter Lagerbestand auf das Abflauen der Konjunktur, auch wenn man bei der zunehmenden Konkurrenz und der sinkenden Finanzkraft des Handels gezwungen sein mag, der Kundschaft mit größeren Lagern zu dienen und einen Teil der Vorratshaltung, der Funktion des Handels, selbst zu übernehmen.

Die Außenstände, die sich im Vorjahr im Zusammenhang mit der Ausdehnung des Geschäfts und der Hochkonjunktur verdoppelt hatten, sind dagegen 1928 um 270 Mill. zurückgegangen, und um ebensoviel sind auch die sonstigen Verbindlichkeiten vermindert. Um so stärker war aber die Vergrößerung der übrigen Schulden. Die Akzepte haben sich um über 300 Mill., die Bankschulden um fast 800 Mill. vermehrt, und diese Verschlechterung des Status findet ihren Gegenposten fast ausschließlich in der Vergrößerung der Vorräte. Die Mittel, die dem Unternehmen aus der Kapitalerhöhung und aus der Anleihe zugeflossen sind, hat man in den Anlagen investiert. Die hypothekarisch gesicherte Anleihe von 1926 über RM 2 Mill. ist mit 8 % zu verzinsen. Die Teilschuldverschreibungen werden durch regelmäßige Auslosung in den Jahren 1931—50 zu 102 % getilgt. Die Obligationen, die zur Zeit ihrer Börseneinführung in Berlin im Januar 1927 einen Höchstkurs von 104 % hatten und Ende 1928 91,50 standen, sind bis Anfang Juni auf 85 bis 87 gefallen, während der Aktienkurs sich zwischen 87 und 88 bewegt. Eine Verwertung der anscheinend noch vorhandenen Vorratsaktien dürfte bei diesem Kursstand wohl kaum in Frage kommen.

Im neuen Geschäftsjahr soll das Ergebnis der Weberei, die den Hauptteil des Unternehmens ausmacht (daher auch die Sitzverlegung der Verwaltung von Bunzlau nach Marklissa), bisher befriedigend gewesen sein, und die Umsätze sollen sich gegenüber dem Vorjahr sogar erhöht haben. Anders in der Kammgarnspinnerei, wo das Geschäft entsprechend der schlechten Situation der ganzen Branche sehr still ist. Das Hauptproblem scheint zu sein, daß die zum Bilanzstichtag angeschwollenen Vorräte bei der herrschenden Konkurrenz namentlich auf dem Kunstseidengebiet günstig verwertet werden. Die bisherigen Ergebnisse können wohl in Anbetracht der schlechten Lage der gesamten Textilindustrie noch als verhältnismäßig befriedigend bezeichnet werden.

Verantwortlicher Redakteur: Dr. Carl Landauer, Nowawes. — Für den Anzeigenteil: Josef Mischel Berlin
Offset-Rotationsdruck von H. S. Hermann G. m. b. H., Berlin SW 19